डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

वर्ष-12 अंक-29 | प्रयागराज, रविवार 16 जुलाई 2023 से शनिवार 22 जुलाई 2023 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्यः 3 रूपये

सिनेमा : सुमोना चक्रवर्ती के होठों को लेकर की जा रही टिप्पणी बना शो के महिला विरोधी होने का कारण- पेज न0.8

ब्रीफ न्यूज

अश्लील वीडियो प्रकरण पहुंचा आचार समिति के पास

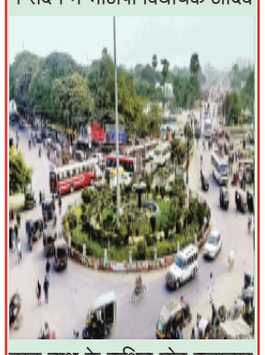

अगरतला। त्रिपुरा विधानसभा अध्यक्ष विश्वबंधु सेन ने सदन में भाजपा विधायक जादब लाल नाथ के कथित घोर कदाचार के मामले को आवश्यक कार्रवाई के लिए आचार समिति को भेज दिया है। इसकी जानकारी एक वरिष्ठ विधायक ने शुक्रवार को दी। त्रिपुरा विधानसभा अध्यक्ष विश्वबंधु सेन ने सदन में भाजपा विधायक जादब

लाल नाथ के कथित घोर कदाचार के मामले को आवश्यक कार्रवाई के लिए आचार समिति को भेज दिया है। इसकी जानकारी एक वरिष्ठ विधायक ने शुक्रवार को दी। सत्तारूढ़ पार्टी के 55 वर्षीय विधायक को मार्च में पहले सत्र के दौरान विधानसभा के अंदर कथित तौर पर अश्लील वीडियो देखते हुए पकड़ा गया था। सत्तारूढ़ पार्टी के 55 वर्षीय विधायक को मार्च में पहले सत्र के दौरान विधानसभा के अंदर कथित तौर पर अश्लील वीडियो देखते हुए पकड़ा गया था। 9 सदस्यों की टीम के पास पहुंचा मामला

मुख्य सचेतक कल्याणी रॉय ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी इऊघ् को बताया कि भाजपा विधायक किशोर बर्मन ने बजट सत्र के आखिरी दिन गुरुवार को विधानसभा में यह मामला उठाया और विधानसभा अध्यक्ष सेन का ध्यान आकर्षित किया। सेन ने मामले को आवश्यक कार्रवाई के लिए एथिक्स कमेटी के पास भेज दिया है। उन्होंने कहा कि नौ सदस्यीय आचार समिति इस मुद्दे पर चर्चा करेगी और दिशानिर्देशों के अनुसार निर्णय लेगी।7 जुलाई को बजट सत्र के शुरुआती दिन में नाथ के खिलाफ कार्रवाई की विपक्ष की मांग पर हंगामा हुआ था, जो कथित तौर पर पिछले सत्र में कैमरे पर अश्लील वीडियो देखते हुए पकड़े गए थे। बजट सत्र के पहले दिन उठा था मुद्दा हंगामे के बीच, अध्यक्ष ने सदन के नेता मुख्यमंत्री माणिक साहा की सिफारिश पर टिपरा मोथा, एड्ढ्र और कांग्रेस के 5 विधायकों को दिन भर के लिए निलंबित कर दिया। बाद में साहा के प्रस्ताव के बाद निलंबन वापस ले लिया गया।

भारतीय नौसेना की और बढ़ेगी ताकत बेड़े में शामिल होंगे 26 नेवी राफेल फ्रांस से डील को मिली मंजूरी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस की दो दिवसीय यात्रा पर थे। दोनों देशों के लिए ये यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई परियोजनाओं को लेकर समझौते हुए। वहीं, अब भारत सरकार ने भारतीय नौसेना को नवीनतम पीढ़ी के लड़ाकू विमानों से लैस करने के लिए राफेल मरीन (ति ईंग्हा) के चयन की घोषणा की है। भारत सरकार ने भारतीय नौसेना को नवीनतम पीढ़ी के लड़ाकू विमानों से लैस करने के लिए नौसेना राफेल के चयन की घोषणा की है। भारतीय नौसेना के 26 राफेल पहले से ही सेवा में मौजूद 36 राफेल में शामिल हो जाएंगे। इसकी जानकारी डसॉल्ट एविएशन के माध्यम से मिली है। भारतीय नौसेना के 26 राफेल पहले से ही सेवा में मौजूद 36 राफेल में शामिल हो जाएंगे। भारतीय नौसेना के 26 राफेल पहले से ही सेवा में मौजूद 36 राफेल में शामिल हो जाएंगे। इसकी जानकारी डसॉल्ट एविएशन के माध्यम से मिली है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय भारत में आयोजित एक सफल परीक्षण अभियान के बाद आया है, जिसके दौरान नौसेना राफेल ने प्रदर्शित किया कि यह भारतीय नौसेना की परिचालन आवश्यकताओं

को पूरा करता है और इसके विमान वाहक की विशिष्टताओं के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। राफेल मरीन को खरीदने का प्रस्ताव पास रक्षा अधिग्रहण परिषद ने गुरुवार को भारतीय नौसेना के लिए 26 लड़ाकू विमान राफेल-एम को खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रक्षा अधिकारियों ने जानकारी दी कि 26 विमानों में से 22 सिंगल-सीटर और 4 विमान ट्विन-सीटर हैं। यह विमान फ्रांस के दसॉल्ट एविएशन से खरीदे जाएंगे।जानकारी के मुताबिक, घ्ए विक्रांत पर राफेल मरीन की तैनाती होने वाली है। बता दें कि साल 2016 के सितंबर में भारत ने 59,000 करोड़ रुपये के सौदे के तहत फ्रांस से 36 राफेल विमान खरीदे थे। भारतीय नौसेना को मिलेगी नई ताकत गौरतलब है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (ँअण्) की ओर से इस प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया था। मरीन राफेल के नेवी में शामिल होने से नेवी की ताकत तो बढ़ेगी ही बल्कि इसके साथ-साथ सैन्य कौशल को भी बढ़ावा मिलेगा। मरीन राफेल के भारतीय नेवी में शामिल होने के बाद समंदर में भारत की शक्ति कई गुना तक बढ़ जाएगी और भारत राफेल के दोनों एडिशन (एयर और नेवी) को अपने बेड़े मेंमरीन राफेल के भारतीय नेवी में शामिल होने के बाद समंदर में भारत की शक्ति कई गुना तक बढ़ जाएगी और भारत राफेल के दोनों एडिशन (एयर और नेवी) को अपने बेड़े में शामिल करने वाला एक शक्तिशाली देश बन जाएगा। गौरतलब है कि इंडियन एयरफोर्स के लिए पहले ही फ्रांस से 36 राफेल खरीदे जा चुके हैं।

चांद से मिलने चला अपना यान, इस तरह बना है चंद्रयान; ऐसे पूरा होगा 40 दिन का इम्तिहान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। घड़ी की टिक-टिक के साथ शुक्रवार दोपहर को तय समय दो बजकर 35 मिनट पर बहुप्रतीक्षित चंद्रयान-3 रवाना हो गया। 25 घंटे 30 मिनट के काउंटडाउन के बाद आया यह क्षण 140 करोड़ भारतीयों की महत्वाकांक्षाओं की उड़ान का साक्षी बना। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का एलवीएम3-एम4 राकेट श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रयान को लेकर रवाना हुआ। 40 दिन के सफर के बाद 23 अगस्त को यान के साथ भेजा गया लैंडर चांद की सतह पर उतरेगा। मिशन डायरेक्टर एस मोहन कुमार ने कहा कि एलवीएम3 एक बार फिर भरोसेमंद राकेट साबित हुआ है। देश में सेटेलाइट्स की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए इसकी लॉन्चिंग बढ़ाने पर विज्ञानी काम कर रहे हैं। इस राकेट ने लगातार छह सफल अभियानों में भूमिका निभाई है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने इसे देश के लिए गौरव का क्षण बताया। चंद्रयान-2 के समय लैंडिंग सफल नहीं रही थी। अब उस अधूरे मिशन को पूरा करने का लक्ष्य है। अब तक अमेरिका, चीन और पूर्व सोवियत संघ ने ही ऐसा करने में सफलता पाई है।चंद्रयान-3 के साथ कैसे पूरे देश की महत्वाकांक्षाएं जुड़ी हैं, इसका अनुमान इस बात से भी लगाया जा सकता है कि सुबह से ही हजारों लोग इस लॉन्चिंग को देखने के लिए जुट गए थे। टीवी चैनल और अन्य इंटरनेट मीडिया पर भी लोग टकटकी बांधे इसे देख रहे थे। मिशन

कंट्रोल सेंटर की तरफ से हर जानकारी साझा की जा रही थी। लॉन्चिंग के करीब 16 मिनट बाद फैट ब्वाय के नाम से लोकप्रिय एलवीएम3-एम4 राकेट ने यान को पृथ्वी की कक्षा में छोड़ दिया। अब कुछ दिन यान पृथ्वी की अलग-अलग कक्षाओं में चक्कर लगाते हुए चंद्रमा की ओर बढ़ेगा। चांद की कक्षा में चक्कर लगाते हुए धीरे-धीरे यान उसकी निकटतम कक्षा में पहुंचेगा और वहां से लैंडर-रोवर चांद की सतह की ओर बढ़ेंगे। इसरो के प्रमुख एस सोमनाथ ने बताया कि एक अगस्त के बाद यान को चांद की कक्षा की ओर भेजा जाएगा।मिशन डायरेक्टर एस मोहन कुमार ने कहा कि एलवीएम3 एक बार फिर भरोसेमंद राकेट साबित हुआ है। देश में सेटेलाइट्स की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए इसकी लॉन्चिंग बढ़ाने पर विज्ञानी काम कर रहे हैं। इस राकेट ने लगातार छह सफल अभियानों में भूमिका निभाई है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने इसे देश के लिए गौरव का क्षण बताया।

चंदामामा दूर के: चंद्रयान से जुड़े तथ्य 14 जुलाई 2023 को दोपहर दो बजकर 35 मिनट पर एलवीएम-3 राकेट ने श्रीहरिकोटा से भरी उड़ान चंद्रयान-2 के अधूरे काम को पूरा करेगा यह मिशन, चांद की सतह पर उतरेगा लैंडर 3.84 लाख किलोमीटर है पृथ्वी से चांद की औसतन दूरी। पृथ्वी की परिक्रमा के दौरान चांदकी दूरी कम और ज्यादा होती है। 4.05 लाख किलोमीटर होती है चांद की अधिकतम दूरी 3.63 लाख किलोमीटर रहती है चांद की न्यूनतम दूरी चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग के लिए समय इसी आधार पर चुना गया है, क्योंकि इस समय चांद और पृथ्वी की दूरी कम है। लॉन्चिंग के करीब 16 मिनट बाद राकेट से यान अलग हो गया अब यान अगले कुछ दिन पृथ्वी की अलग-अलग कक्षाओं में चक्कर काटेगा सबसे निकटतम कक्षा 170 किमी और अधिकतम कक्षा 36,500 किमी पर होगीपहली अगस्त के बाद यान चांद की कक्षा की ओर बढ़ेगा चांद की अलग-अलग कक्षाओं में भी यान कुछ दिन चक्कर लगाएगा 23 अगस्त को शाम 5 बजकर 47 मिनट पर यान का लैंडर चांद पर उतरेगा इस तरह बना है चंद्रयान-3 2148 किलोग्राम का प्रोपल्शन माड्यूल है।

मणिपुर में इंटरनेट प्रतिबंध हटाने के मामले में 17 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली।मणिपुर में इंटरनेट प्रतिबंध हटाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट 17 जुलाई को विचार करेगा। मणिपुर में इंटरनेट पर प्रतिबंध हटाने के हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ राज्य

सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सहमत हो गया। प्रधान न्यायाधीश डीवाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने वकील कनु अग्रवाल द्वारा राज्य सरकार की याचिका का उल्लेख किए जाने पर मामले पर सोमवार को सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की। मणिपुर में इंटरनेट प्रतिबंध हटाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट 17 जुलाई को विचार करेगा। मणिपुर में इंटरनेट पर प्रतिबंध हटाने के हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सहमत हो गया। सात जुलाई को मणिपुर हाई कोर्ट ने राज्य में इंटरनेट पर प्रतिबंध हटाने का आदेश दिया था। सात जुलाई को मणिपुर हाई कोर्ट ने राज्य में इंटरनेट पर प्रतिबंध हटाने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया था। याचिका में मणिपुर में इंटरनेट सेवाओं की बहाली की मांग की गई थी। मणिपुर में हिंसा के कारण राज्य सरकार ने पांच जुलाई को इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को 13वीं बार 10 जुलाई तक बढ़ा दिया था ताकि अफवाहों के प्रसार को रोका जा सके और कानून व्यवस्था न बिगड़े। सुप्रीम कोर्ट ने महिला वकील को गिरफ्तारी पर रोक 17 जुलाई तक बढ़ाई। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में महिला वकील की गिरफ्तारी पर लगाई गई रोक शुक्रवार को 17 जुलाई तक बढ़ा दी। यह प्राथमिकी मणिपुर हिंसा से संबंधित बयानों को लेकर दर्ज की गई थी। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ को जानकारी दी गई कि सालिसिटर जनरल तुषार मेहता मणिपुर हिंसा से संबंधित याचिकाओं पर मणिपुर और केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे। वह फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं।

शहरों में बढ़ रहीं चुनौतियां, शहरी नियोजन पर नई दृष्टि की जरूरत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। शहरी नियोजन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में राज्यों से आए शहरी नीति-नियंताओं ने इस पर सहमति जताई कि प्लानिंग नगरीय विकास के लिए सबसे जरूरी घटक है और इसके बिना हमारे शहरों को भावी चुनौतियों के लिए तैयार नहीं किया जा सकता है। अर्बन वर्कस की प्रमुख श्रेया गडेपल्ली ने ज्यादातर शहरों में पार्किंग को लेकर उभरी समस्याओं के संदर्भ में सरकारों से सार्वजनिक परिवहन का ढांचा सुधारने की मांग की। उत्तर प्रदेश के मुख्य टाउन प्लानर अनिल कुमार मिश्र ने राज्य में हाल में घोषित नई टाउनशिप पालिसी का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें यह ध्यान रखा गया है कि विकास नियोजित हो।

कर्नाटक सरकार ने संघ से जुड़े ट्रस्ट को दी जमीन पर रोक लगाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली।संघ से जुड़े जनसेवा ट्रस्ट को भाजपा शासन में आवंटित की

गई जमीन पर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने रोक लगा दी है। इसमें 35.33 एकड़ की गोमाला शामिल है। भाजपा ने शुक्रवार को इसकी आलोचना करते हुए इसे नफरत की राजनीति बताया है। तत्कालीन भाजपा सरकार ने पिछले साल सितंबर में ट्रस्ट को बेंगलुरु में 35.33 एकड़ गोमाला आवंटित की थी। संघ से जुड़े जनसेवा ट्रस्ट को भाजपा शासन में आवंटित की गई जमीन पर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने रोक लगा दी है। इसमें 35.33 एकड़ की गोमाला शामिल है। भाजपा ने शुक्रवार को इसकी आलोचना करते हुए इसे नफरत की राजनीति बताया है। तत्कालीन भाजपा सरकार ने पिछले साल सितंबर में ट्रस्ट को बेंगलुरु में 35.33 एकड़ गोमाला आवंटित की थी। ट्रस्ट चन्नेनाहल्ली में शैक्षणिक संस्थान चलाता है। कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्णा बायर गौड़ा ने विभिन्न संगठनों को दी गई सरकारी भूमि के संबंध में विधानसभा में भाजपा विधायक एसटी सोमशेखर के प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि ट्रस्ट को आवंटित 35.33 एकड़ जमीन पर रोक लगा दी गई है। इसमें 25 मई को मुख्यमंत्री सिद्दरमैया द्वारा जारी एक नोट का हवाला दिया गया, जिसमें अधिकारियों को ट्रस्ट को जमीन नहीं सौंपने के लिए यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि सरकार विधानसभा चुनाव से पहले के महीनों में भाजपा द्वारा किए गए आवंटन की समीक्षा कर रही है। श्री राम सेना ने विधान सौध में नमाज के खिलाफ चेतावनी दी कर्नाटक में श्री राम सेना ने शुक्रवार को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर कांग्रेस सरकार ने विधान सौध में नमाज की इजाजत दी तो तो वह बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेगी।

ग्राम स्वराज अभियान के प्रति राज्यों की सुस्ती

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पंचायतों को सशक्त और पारदर्शी बनाना चाहती है, लेकिन इसके प्रति लगभग सभी राज्य सुस्त बने हुए हैं। केंद्र सरकार

के पास बजट की कोई कमी नहीं है। चार केंद्र शासित प्रदेशों को छोड़कर सभी राज्यों की वार्षिक कार्ययोजना भी वर्ष 2023-24 के लिए स्वीकृत हो चुकी है, लेकिन अब तक किसी ने आवश्यक दस्तावेज नहीं जमा किए हैं। इस वजह से यह पैसा अनुपयोगी पड़ा हुआ है। पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार ज्यादा मेहनत नहीं कर रहे। केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति बार-बार बैठकों में बजट जारी होने की प्रक्रिया में देरी पर चिंता जताती रही है। सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लक्ष्य के साथ ही केंद्र सरकार की मंशा देशभर की पंचायतों को आत्मनिर्भर सशक्त और पारदर्शी बनाने की है। मोदी सरकार ने अप्रैल 2018 में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान की शुरुआत की। केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति बार-बार बैठकों में बजट जारी होने की प्रक्रिया में देरी पर चिंता जताती रही है। सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लक्ष्य के साथ ही केंद्र सरकार की मंशा देशभर की पंचायतों को आत्मनिर्भर, सशक्त और पारदर्शी बनाने की है केंद्र शासित प्रदेशों का पूरा वित्तीय भार केंद्र सरकार वहन करेगी इसके लिए ही मोदी सरकार ने अप्रैल, 2018 में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान की शुरुआत की।

देश में 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट यूजर्स', अश्विनी वैष्णव बोले- साइबर सुरक्षा के लिए सभी देशों का सहयोग जरूरी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टेलीकॉम, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि साइबर सुरक्षा

को लेकर चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। इससे निपटने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। समाधान को आपस में साझा करना होगा जी-20 के कार्यक्रम में सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नई-नई तकनीक से साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रतिदिन चुनौतियां पैदा हो रही हैं। वैष्णव ने कहा कि भारत में वर्ष 2015 में डिजिटल इंडिया मिशन लॉन्च किया गया और उसके बाद इस बात का पूरा ध्यान रखा गया कि तकनीक और डिजिटल सुविधा पर कुछ बड़ी कंपनियों का या कुछ खास लोगों का ही अधिकार नहीं रहे। किसी अपराध को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस प्रकार से एक-दूसरे के साथ सभी देश सहयोग करते हैं, वैसा ही तालमेल साइबर सुरक्षा के लिए भी रखना होगा। शुक्रवार को जी-20 के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि नई-नई तकनीक से साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रतिदिन चुनौतियां पैदा हो रही हैं। वैष्णव ने कहा कि भारत में वर्ष 2015 में डिजिटल इंडिया मिशन लॉन्च किया गया और उसके बाद इस बात का पूरा ध्यान रखा गया कि तकनीक और डिजिटल सुविधा पर कुछ बड़ी कंपनियों का या कुछ खास लोगों का ही अधिकार नहीं रहे। इसलिए लोकतांत्रिक तरीके से डिजिटल सुविधा का विकास किया गया।

ईपीएफओ पेंशन मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, अवमानना याचिका पर तीन न्यायाधीशों की पीठ करेगी विचार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ईपीएफओ की बढ़ी हुई पेंशन मामले में सुप्रीम कोर्ट की तीन न्यायाधीशों की पीठ विचार करेगी। शुक्रवार को दो न्यायाधीशों की पीठ ने अवमानना याचिका को भी सुनवाई के लिए तीन न्यायाधीशों की पीठ को भेज दिया। कोर्ट ने कहा कि न्यायमूर्ति संजय कुमार की दो सदस्यीय पीठ ने कर्मचारी संघ नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ रिटायरीज और अन्य बनाम आरती अहूजा एवं अन्य के मामले में सुनवाई के दौरान दिए। संघ ने ईपीएफओ पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना का आरोप लगाते हुए अवमानना याचिका दाखिल की

स्पष्टीकरण अर्जियों के तथ्य और अवमानना याचिका में उठाए गए मुद्दे एक दूसरे से मेल खाते हैं और दोनों में घालमेल (ओवरलैपिंग) है, इसलिए अवमानना याचिका पर भी तीन न्यायाधीशों की पीठ को स्पष्टीकरण मांग अर्जियों के साथ सुनवाई करनी चाहिए ये आदेश शुक्रवार को न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और है जो कि शुक्रवार को सुनवाई पर लगी थी। शुक्रवार को मामला जैसे ही सुनवाई पर आया तो ईपीएफओ की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सीए सुंदरम ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन किया जा रहा है तो फिर इसमें अवमानना कैसे बनती है। सुंदरम ने कहा कि अगर कोर्ट के आदेश के स्पष्टीकरण की बात है तो ठीक है। हम उस पर सुनवाई के लिए तैयार हैं और जवाब दाखिल करेंगे। लेकिन कर्मचारी संघ की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल शंकर नारायण ने ईपीएफओ की दलीलों का विरोध किया।गोपाल शंकर नारायण ने कहा कि दोनों मामले अलग अलग हैं। यह मामला तीन न्यायाधीशों की पीठ को इसलिए भेजा गया है क्योंकि ईपीएफओ का बढ़ी पेंशन का विकल्प अपनाने का 4 नवंबर 2022 का फैसला तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सुनाया था, इसलिए अब उस फैसले के स्पष्टीकरण की मांग पर भी तीन न्यायाधीशों की पीठ ही सुनवाई कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ईपीएफओ ने कर्मचारियों को बढ़ी पेंशन का विकल्प अपनाने का मौका तो दिया है, लेकिन कुछ पुराने दस्तावेज भी मांगे हैं जैसे कि 2014 का संशोधन आने के बाद क्या उन लोगों ने बढ़ी पेंशन का विकल्प अपनाया था और क्या ईपीएफओ ने उसे ठुकराया था दोनों के ही सबूत मांगे गए हैं।कर्मचारियों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में ऐसा नहीं कहा गया है। उस फैसले में सभी कर्मचारियों को चार महीने का अतिरिक्त समय विकल्प अपनाने के लिए दिया गया है। ऐसे में ईपीएफओ का दस्तावेज मांगना ठीक नहीं है।

प्रत्येक विश्वविद्यालय में बनेगा अब एक इंडस्ट्री रिलेशन सेल, यूजीसी ने बनाई गाइडलाइन; मांगे सुझाव

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। छात्रों की प्रतिभा को निखारने के लिए विश्वविद्यालय और उद्योग अब पहले के मुकाबले और ज्यादा बेहतर तरीके से काम करेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

(यूजीसी) ने दोनों के बीच बेहतर तालमेल बढ़ाने को लेकर एक गाइड लाइन तैयार की है, जिसके तहत प्रत्येक विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थान अब अपने यहां एक इंडस्ट्री रिलेशन सेल का गठन करेगा। जो स्थानीय स्तर पर मौजूद सभी छोटे-बड़े उद्योगों के साथ अपने जुड़ाव को मजबूती देने का काम करेंगे छात्रों की प्रतिभा को निखारने के लिए विश्वविद्यालय और उद्योग अब पहले के मुकाबले और ज्यादा बेहतर तरीके से काम करेंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने दोनों के बीच बेहतर तालमेल बढ़ाने को लेकर एक गाइड लाइन तैयार की है जिसके तहत प्रत्येक विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थान अब अपने यहां एक इंडस्ट्री रिलेशन सेल का गठन करेगा। फाइल फोटो इस दौरान छात्रों को इंटर्नशिप कराने में सहयोग सहित उद्योगों से जुड़े प्रोजेक्टों को गति देने का भी काम किया जाएगा। यूजीसी ने यह पहल नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विश्वविद्यालयों के लिए डिजाइन किए गए चार वर्षीय नए अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम के बाद की है, जिसके प्रत्येक छात्रों के लिए इंटर्नशिप जरूरी होगी। यह इंटर्नशिप छात्रों की रुचि के आधार पर निर्धारित की जाएगी फिलहाल इसका मकसद ऐसे छात्रों को तैयार करना है, जो अंडर ग्रेजुएट की पढ़ाई के बाद बिल्कुल भी बेकार नहीं घूमे। बल्कि इंटर्नशिप के आधार पर कोई काम कर सकें। इस बीच यूजीसी ने गाइडलाइन पर सभी विश्वविद्यालयों और उद्योगों से 31 जुलाई तक राय देने को कहा है।यूजीसी की उद्योगों के साथ जुड़ाव को मजबूत बनाने के लिए तैयार की गई इस गाइडलाइन में इसके साथ ही एक और बड़ी पहल की गई है, जिसमें विश्वविद्यालयों की अगुवाई में शोध व विकास के लिए एक रीजनल एडवाइजरी कमेटी (आरएसी) का गठित करने का भी प्रस्ताव है, जिसमें विश्वविद्यालयों और दूसरे सभी उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों के साथ उद्योगों के प्रमुख, भारी उद्योग मंत्रालय के प्रतिनिधि, राज्य के उद्योग विकास के प्रमुख सचिव, उद्योग संगठनों से जुड़े पदाधिकारी आदि शामिल होंगे। यह सभी स्थानीय चुनौतियों के समाधान को लेकर आपस में मिल जुलकर काम करेंगे और एक दूसरे को सहयोग देंगे।

16.07.2023 to 22.07.20233.pmd 1 7/15/2023, 5:15 PM

पुलिस विभाग 3 लाख से अधिक लोगों का परिवार है

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। पुलिस विभाग 3 लाख से अधिक लोगों का परिवार है,जिसमें बहुत सारे योग्य,ईमानदार ,कर्तव्यनिष्ठ पुलिस वाले है,जो।सिर्फ अपने व्यक्तिगत कार्यकुशलता से समाज में अपनी अलग जगह बना लेते है।उन्हीं में से एक नाम है क्ष्शालिनीसिंहभदौरिया चौकी इंचार्ज कालवनगंज नगर क्ष्कोतवाली बाँदा। ये दृश्य उस समय का है जब शालिनी जी चार्ज लेने चौकी पहुँची यकीन नहीं मानेंगे सैकड़ो की तादाद में महिलाएं और लोग इकट्ठे उनके स्वागत में ऐसे लग रहा था मानो कोई बहुत ही भव्य कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। ये सिर्फ उनकी कार्यकुशलता और उनकी छवि थी जो लोगों में उत्साह भर रही थी।

अतीक – अशरफ हत्यारों के खि़लाफ़ एसआईटी ने 2 हजार पन्नों की चार्जशीट तैयार की, दस लाख की सुपारी मिली थी तीनों को

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। 15 अप्रैल को मारे गए माफिया अतीक अहमद और अशरफ, की हत्या के आरोपी सनी सिंह,

लवलेश तिवारी और अरुण मौर्य जिगाना पिस्टल लाख रुपये भी मिले थे। इस हत्याकांड को अंजाम देने से पहले उन्होंने पार्टी की थी। इन रकम का एक हिस्सा खर्च किया खुलासा विशेष जांच दल (एघ्ऌ) ने गुरुवार को कोर्ट में दाखिल ये चार्जशीट में किया है। 'सोचा बढ़िया काम है... अब माफिया डॉन ही बनेंगे' एघ्ऌ की पूछताछ में सनी सिंह ने बताया कि माफिया अतीक और अशरफ की हत्या करके वह बड़ा नाम कमाना चाहता था। उसे जब जिगाना पिस्टल और 10 लाख रुपए एक साथ मिले तो सोचा यह काम बढ़िया है। इसमें ग्लैमर भी है और पैसा भी । अतीक और अशरफ की हत्या के बाद हमारा नाम देश में होगा। हमसे लोग डरेंगे और फिर वसूली का नेटवर्क यूपी में खड़ा किया जाएगा। अतीक-अशरफ की हत्या करके रातो-रात बड़े माफिया बन जाएंगे। सुपारी रकम लेकर शापिंग करने गए थे तीनों हत्यारोपी एघ्ऌ द्वारा दाखिल चार्जशीट में लिखा है कि 10 लाख रुपए मिलने के बाद तीनों ने खूब पैसे खर्च किए थे। शॉपिंग की थी।

प्रयागराज के अजय कुमार सरोज ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता गोल्ड, परिजनों-साथियों में खुशी की लहर

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। बैंकॉक में चल रहे 25वें एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रयागराज के रहने वाले अजय कुमार सरोज ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीत कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। शहर के राजापुर इलाक़े के रहने वाले अजय ने जब इस जीत की सूचना अपने घर व मदन मोहन मालवीय स्टेडियम के पुराने साथियों की दी तो शहर का भी मिजाज जश्न में बदला। अब शहर लौटने पर अजय के भव्य स्वागत की तैयारी की जा रही है। इससे पहले 2017 में भुवनेश्वर में आयोजित 22वें एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत के लिये अजय ने गोल्ड जीता था। 2021 में कोरोना के कारण चैम्पियनशिप नही हो पायी थी। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 थाईलैंड के बैंकॉक के सुफाचलासाई नेशनल स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। 12 जुलाई को शुरू हुए इस पांच दिवसीय इवेंट का समापन 16 जुलाई को होगा।गौरतलब है कि एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप चार साल के अंतराल के बाद आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का पिछला संस्करण चीन के हांगझोऊ में साल 2021 में होना था जिसे कोरोना महामारी के कारण रद्द कर दिया गया था। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 की पदक तालिका में भारत 5 स्वर्ण, 1 रजत, 3 कांस्य मिलकर कुल 9 पदकों के साथ तीसरे नंबर पर है।

चमरूपुर शुक्लान बना धरना प्रदर्शन का केंद्र,ग्राम प्रधान पर भ्रष्टाचार का आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़।लक्ष्मणपुर विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत चमरूपुर शुक्लान में वर्तमान ग्राम प्रधान के कार्यकाल के प्रारंभ से ही शासन के धन के दुरुपयोग एवं भ्रष्टाचार का आरोप लगता रहा है।शासन-प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही न होने पर किसान यूनियन ने ग्राम प्रधान के भ्रष्टाचार के विरुद्ध चमरूपुर शुक्लान में रामलीला मैदान पर ग्राम प्रधान भ्रष्टाचार के विरुद्ध अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया है। इस ग्राम पंचायत में पवन कुमार शुक्ला एवं अन्य ने शुरू से ही जनहित के मुद्दे तथा ग्राम प्रधान एवं संबंधित पंचायत अधिकारियों के द्वारा किए गए भ्रष्टाचार एवं अनियमितता की जाँच की माँग की थी।उन्होंने गाँव के ही किसी राजा मौर्य नामक व्यक्ति पर आरोप लगाया था कि वह प्रधान न होते हुए भी प्रधान का कार्य स्वयं करता है और प्रधान को गुमराह करके शासन की सुविधाओं का लाभ पात्रों को न पहुँचाकर अपने परिजनों/ करीबियों को उसका लाभ पहुँचा रहा है। प्रशासन ने इस शिकायत को गंभीरता से लेकर ग्राम पंचायत में जाँच भी करवाया था जिसमें बहुत सारी शिकायतों को सही पाया गया था लेकिन कोई कार्यवाही न होने से ग्रामीणों ने भारतीय किसान यूनियन के साथ इस ग्राम पंचायत के रामलीला मैदान पर ग्राम प्रधान के भ्रष्टाचार के विरुद्ध धरना प्रदर्शन शुरू किया है। भारतीय किसान यूनियन ने जिला अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पांडे एवं मोहम्मद हई खान के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर हैं। ग्राम पंचायत चमरूपुर शुक्लान में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी तथा प्रधान एवं उनके सहयोगियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की जाँच पश्चात अंतिम जाँच आख्या रिपोर्ट 18 माह बीत जाने के पश्चात भी नहीं उपलब्ध कराने एवं किसान तथा जनहित के मुद्दे पर कार्यवाही करने की माँग की प्रदर्शनकारियों की माँग है। इसी के साथ ग्राम पंचायत सिन्धौर के शीला चौरसिया पत्नी श्याम लाल चौरसिया को ग्राम प्रधान द्वारा आवासीय पट्टे पर मकान न बनाने देने तथा अनियमितता की जाँच करना,फूलपुर,हरिहरपुर कैलहा सहित कई अन्य गाँवों में भ्रष्टाचार की स्थलीय जाँच हेतु भारतीय किसान यूनियन के लोग अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। धरना स्थल पर ब्लॉक अध्यक्ष सुशील पटेल, कयूम खान,पवन कुमार शुक्ला, यशोमती गुप्ता, ललिता तिवारी सिंह,जलालुद्दीन,सुमन गौतम, अमर मिश्रा,चंचल सिंह,मोहम्मद कलीम आदि लोग उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में मारा गया युवक

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार को बीती रात सोरांव इलाके में एक बारात में शामिल होने गए युवक की पीट पीटकर हत्या कर दी गई और उसका शव गांव से करीब 500 मीटर दूर मिला। हत्या का कारण पुरानी रंजिश है। गांव के तीन आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। परिजन धरने पर बैठ गए हैं। जानकारी पर पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंची। पुलिस परिजनों को समझाने बुझाने में जुटी है।

वाराणसी के पावन धरती पर नुसी के जनरल सेक्रेटरी श्री मिलिंद कांदलगांवकर का सौगात

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी । नेशनल यूनियन आफ सीफेरर्स आफ इंडिया मुंबई का 22 वा कार्यालय वाराणसी उत्तर प्रदेश में उद्घाटन माननीय नुसी जनरल सेक्रेटरी श्री मिलिंद कांदलगावकर द्वारा किया गया इस मौके पर श्री सुरेश सोलंकी (बापू), कैप्टन राकेश सिंह श्री जनार्दन फ्लीट कंपनी,कैप्टन प्रधान एंगलो ईस्टर्न कंपनी शिप, प्रकाश ठाकुर, विजय यादव इस कार्यालय के उद्घाटन के दौरान नूसी के मेंबरशिप लेने के फायदे के बारे में यूपी बिहार के हजारों की संख्या में आए हुए सीफेरर्स को अनेक जानकारियों से अवगत कराया इस मौके पर नूसी के सक्रिय सदस्य फिरोज अहमद,राजा जानी, इश्तेखार अहमद, शहनवाज अहमद,बजरंगी फिरोज खान,इमरान,आमान,सुनील कुमार, सरीम,सिबलू भैया,नियाज अहमद अफसर,मोहम्मद यासिर फैसल,संदीप, मारूफ, सलमान, श्याम बाबू आदि ने आए हुए सभी माननीय का स्वागत अभिनंदन का धन्यवाद व्यक्त किया।

डीह मेहंदी प्रधान पर भ्रष्टाचार का आरोप मढ़ पंचायत सदस्यों ने दिया इस्तीफा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़।विकास खंड लक्ष्मणपुर की ग्राम पंचायत डीह मेंहदी में ग्राम प्रधान पर मनमानी का आरोप लगाकर ग्राम पंचायत सदस्यों ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। काफी समय से इस ग्राम पंचायत में प्रधान पर मनमानी और सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगता रहा है।ग्रामीणों एवं ग्राम पंचायत सदस्यों ने कई बार शिकायत पत्र देकर शासन के धन का दुरुपयोग करने पर ग्राम प्रधान पर अंकुश लगाने एवं कार्यवाही करने की माँग किया था लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो सकी। ग्राम पंचायत सदस्यों का कहना है कि ग्राम प्रधान मनमाने ढंग से ग्राम सभा में कार्य करता है।वह न तो इन सदस्यों की सहमति लेता है न ही मानक के अनुरूप कार्य करवाया जाता है।इससे क्षुब्ध होकर ग्राम पंचायत के कुल 15 सदस्यों में से 10 सदस्यों ने सामूहिक रुप से अपने पत्र से त्यागपत्र दे दिया है।इन सदस्यों ने पहले खंड विकास अधिकारी से मुलाकात कर उन्हें त्यागपत्र सौंपा लेकिन खंड विकास अधिकारी ने त्यागपत्र लेने से इनकार कर दिया।लिहाजा इन ग्राम पंचायत सदस्यों ने जिला पंचायत राज अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला अधिकारी,मुख्यमंत्री आदि को रजिस्ट्री पत्रों से अपना सामूहिक त्यागपत्र भेज दिया है।देखना यह है कि इनका त्याग पत्र स्वीकार किया जाता है या नहीं? त्यागपत्र स्वीकार होने की दशा में यहाँ 6 महीने के अंदर पुनः चुनाव हो सकता है।

मेजारोड चौराहे पर नहीं रुकती सरकारी परिवहन बस, मुख्यमंत्री से शिकायत

(आधुनिक समाचार सेवा)

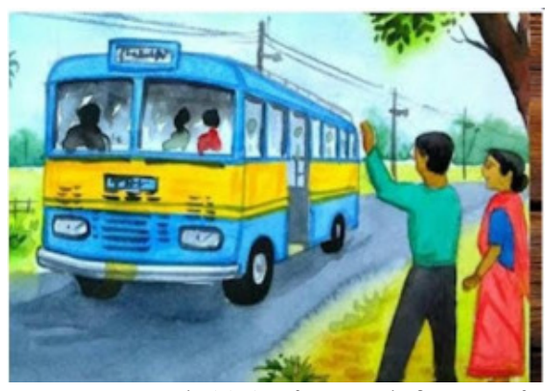

प्रयागराज।,मेजारोड़ चौराहे पर बस स्टाप होने के बावजूद भी परिवहन बसों के न रुकने से जहां यात्रियों को काफी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है,वहीं बस चालक व परिचालक की मनमानी रवैये की चलते प्रतिदिन विभाग को हजारों रूपये का चूना लगाया जा रहा है। ऐसे में परेशान यात्रियों ने प्रदेश सरकार से हस्तक्षेप किए जाने की मांग करते हुए मेजारोड बस स्टैंड पर परिवहन की बसें रोके जाने की गुहार लगाई है। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज - मिर्जापुर हाइवे पर चलने वाली परिवहन बसों का मेजारोड चौराहे पर अंग्रेजी हुकुमत के समय से ही सरकारी बसों का स्टाप बनाया गया है। जहां वर्षो पहले टिकट घर का भी निर्माण हुआ था। साथ ही साथ प्रयागराज तथा मिर्जापुर से आने जानें वाली सरकारी बसों के चालक व परिचालकों के लिए कुछ समय तक ठहरने का भी इंतजाम किया गया था, किन्तु इधर लगभग पांच वर्षो से उक्त टिकट घर का केवल मात्र अवशेष ही रह गया है। टिकट घर जमीन पर अस्थानीय दुकानदारों ने अवैध ढंग से कब्जा कर लिया है, जिसके कारण मेजारोड सरकारी बस स्टाप पर प्रायः सरकारी बसों का रुकना बंद हो गया है। बस स्टैंड के समीप अवैध अतिक्रमण एव भीड़ भाड़ अधिक होने की वजह से सरकारी बसों के चालक व परिचालक मेजारोड बस स्टैंड पर बसें न खड़ी करने के बजाय कठौली गांव स्थित काशी प्रसाद सिंह इंटरमीडिएट कालेज के सामने स्थिति एक चाय नाश्ते की दुकान के पास दुकानदार को लाभ पहुंचाने के इरादे से सरकारी बसें खड़ी करते हैं। जहां चालक व परिचालक को दुकानदार द्वारा मुफ्त में भर पेट नाश्ता पानी कराया जाता है। गौरतलब है कि मेजारोड चौराहा मेजा तहसील का एक ऐसा केन्द्र है,जहां हर तरफ से सरकारी एव प्राइवेट वाहनों की आवा जही के साथ साथ यात्रियों की भारी भीड भाड रहती है। ऐसे में सरकारी बसों के चालक व परिचालक केवल मुफ्त में पेट भर नाश्ता के लिए कठौली स्थिति चाय नाश्ते की दुकान को बस स्टाप बना लिए है।जिससे प्रतिदिन विभाग को हजारों रूपये चुना लगा रहे हैं। दूर दराज से आकर मेजारोड चौराहे खड़े यात्री सरकारी बसों के इंतजार में टकटकी लगाए खड़े रहते हैं बता दें कि सरकारी बसों के चालक व परिचालकों की इस मनमाने रवैए से प्राइवेट वाहन संचालक फायदा उठाते है और यात्रियों का शोषण करते हैं। इस सम्बंध में मेजारोड व्यापार मण्डल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय सहित कई अन्य समाज सेवी संगठनों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायती प्रार्थना पत्र भेजकर मेजारोड बस स्टैंड पर नियमित रुप से सरकारी बसों के रुकने की मांग की है।

खेल के मैदान से राजस्व कर्मियों ने हटवाया अवैध कब्जा

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी । कई वर्षों से ग्राम सभा की जमीन पर पूर्व प्रधान था। काबिज़ अधिकारियों के फटकार के बाद अपनी मौजूदगी में कराया कब्जा मुक्त हरहुआ/ वाराणसी- वाह रे ग्राम प्रधान प्रधान के अथक प्रयासों के बाद हुआ कब्जा मुक्त बनेगा खेल मैदान युवाओं की बनेगी भविष्य। जी हां बताते चलें कि हरहुआ विकासखंड के पुरबपुर ग्राम सभा स्थित आराजी नंबर 220 जो अभिलेखों में खेल के मैदान के खाते में दर्ज है। उक्त आराजी पर गांव के ही पूर्व प्रधान मुन्ना लाल कनौजिया एवं उनके पड़ोसी मनोज द्वारा टीन सेट लगाकर कई वर्षों से अवैध कब्जा किया था। जिसकी लिखित शिकायत वर्तमान प्रधान ओम प्रकाश पटेल द्वारा जिलाधिकारी सहित उप जिलाधिकारी से की गयी थी।वही सोमवार को उप जिलाधिकारी पिंडरा के आदेश पर पहुंचे राजस्व कर्मियों ने टीन सेट लगाकर किए गए अवैध कब्जे को हटवा दिया जिसको लेकर ग्रामीणों सहित युवाओं में में हर्ष का माहौल ब्याप्त

जिसकी जिम्मा गांव को सौंपी उसी ने ग्राम सभा की जमीन को हथिया लिया। योगी सरकार सरकारी जमीनों पर से अवैध कब्जा हटाने को लेकर गंभीर है एंटी भू माफिया दल का गठन कर सरकारी जमीनों से अवैध कब्जा हटवा रही है। वहीं पूर्व प्रधान ने कई वर्षों से ग्राम सभा की जमीन पर था ।काबीज वर्तमान है। बता दें कि उक्त कब्जे को लेकर गांव में आक्रोश एवं तनाव व्याप्त था। और गांव के लोगों ने अविलम्ब संबंधित अधिकारियों से उक्त आराजी को कब्जा मुक्त कराने की मांग किया था। राजस्व टीम में कानूगो लालमनी लेखपाल दिलीप गोंड़ संतोष पटेल आदि लोग उपस्थित थे।

माफिया अतीक अहमद व अशरफ की हत्या के मामले में एसआईटी ने दाखिल की चार्जशीट, सनी को बताया मास्टरमाइं

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में विशेष जांच दल एसआईटी ने बृहस्पतिवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोप पत्र प्रस्तुत कर दिया। पहले जहां लवलेश तिवारी को इस शूटआउट कांड का सरगना बताया जा रहा था, वहीं चार्जशीट में मास्टर माइंड सनी सिंह को बनाया गया है। सबसे अहम बात यह रही कि तीन महीने की लंबी मशक्कत के बाद भी एसआईटी इस सनसनीखेज हत्याकांड को अंजाम देने वाले तीनों शूटरों के एक भी मददगार के नाम का खुलासा नहीं कर सकी। शाम को दाखिल किए गए आरोप पत्र का संज्ञान लेते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दिनेश कुमार गौतम ने तीनों आरोपियों को 14 जुलाई को अदालत के समक्ष हाजिर होने का आदेश दिया है। तीनों आरोपियों सनी सिंह, लवलेश तिवारी और अरुण मौर्य की न्यायिक अभिरक्षा की अवधि 14 जुलाई को समाप्त हो रही है। इसके ठीक एक दिन पूर्व ही आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दिनेश कुमार गौतम ने पुलिस की ओर से प्रस्तुत किए गए विवेचना के परिणाम, आरोप पत्र के साथ संलग्न तकरीबन दो हजार पेज की केस डायरी, प्रथम सूचना रिपोर्ट, नक्शा नजरी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, चालान, फोटो, परीक्षण रिपोर्ट सहित अन्य दस्तावेजों का अवलोकन किया। इसके बाद अदालत ने कहा कि अपराध का संज्ञान लिए जाने का पर्याप्त आधार है। अदालत ने आरोपियों को 14 जुलाई को न्यायालय के समक्ष पेश करने का आदेश दिया,

ताकि उन्हें अभियोजन पत्रों की नकल उपलब्ध कराई जा सके और मामले को विचारण के लिए सत्र न्यायालय को सुपुर्द किया जा सके। उधर, दो हजार पेज की केस डायरी और 56 पेज के आरोप पत्र में पुलिस ने कहा है कि सनी सिंह ही हत्याकांड का मास्टरमाइंड है। अतीक और अशरफ की हत्या के बाद तीनों आरोपियों को घटनास्थल पर ही पकड़ा गया है। लवलेश तिवारी, सनी और अरुण मौर्य के खिलाफ विवेचना के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिले हैं, लिहाजा आरोपियों को दंडित करें। चार्जशीट में सिर्फ सनी, लवलेश और अरुण के नाम। क्या ये संभव है कि इतनी बड़ी वारदात में उनकी किसी ने भी कोई मदद नहीं की। न पैसे से न हथियार से। जिगाना पिस्टल की कीमत पांच से सात लाख रुपये है। सनी ने इतने पैसे कहां से जुटाए। उसने 2021 में पिस्टल गैंगस्टर जितेंद्र गोगी से खरीदी थी। इतने पैसे उसके पास आए कहां से। तीनों आरोपियों ने घटना से एक महीने पहले बांदा से फर्जी आधार कार्ड बनवाए। फर्जी आधार कार्ड बनवाने में उनकी किसने मदद की। फर्जी कागजात किसने तैयार किए। उसकी हत्याकांड में क्या भूमिका है। यह सब पता चलना बाकी है। अप्रैल की रात सनी, लवलेश और अरुण मीडियाकर्मियों के साथ अस्पताल गेट पर खड़े थे। अतीक और अशरफ जैसे ही अंदर घुसे, लवलेश ने जिगाना पिस्टल से पहली गोली अतीक के सिर में मारी थी। अशरफ को पहली गोली सनी सिंह ने मारी। इसके बाद दोनों पर गोलियों की बौछार कर दी गई थी। अतीक-अशरफ हत्याकांड की जांच में जुटी एसआईटी ने जांच के दौरान डेढ़ सौ से अधिक गवाहों से पूछताछ की थी। इसके अलावा अस्पताल से लेकर आरोपियों के ठहरने वाले होटल की करीब 70 सीसीटीवी फुटेज की सीडी भी अदालत को सौंपी है। एसआईटी ने प्रमुख चश्मदीद गवाहों में 21 पुलिस वाले शामिल थे, जो घटनास्थल पर ही मौजूद थे। इसके अलावा मीडियाकर्मियों, अस्पताल कर्मियों समेत जन सामान्य के तमाम लोगों से भी पूछताछ की गई थी। सभी गवाहों के बयान और उनकी सूची चार्जशीट के साथ अदालत को सौंपी गई है। तीनों आरोपियों जिस होटल में ठहरे थे, वहां की कई रिकार्डिंग भी पुलिस के पास है। जब तीनों हत्या के लिए निकले, उस समय की फुटेज भी सौंपी गई है। अस्पताल के आस पास की दुकानों की सारी फुटेज एक सीडी में डाउनलोड कर अदालत को दी गई है।

खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश वर्मा ने किया विद्यालय का औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयाग आधुनिक समाचार सेवा बारा यमुनानगर(बारा) विकासखण्ड जसरा के समस्त विद्यालयों में खण्ड शिक्षा अधिकारी अखिलेश वर्मा द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। इसके लिए संबंधित विद्यालयों के अध्यापकों को उन्होंने सख्त हिदायत दी कि अभिभावक अध्यापक गोष्ठी आयोजित की जानी चाहिए। जिसमें बच्चों की नियमित उपस्थिति, बच्चों का ठहराव,गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, ऑपरेशन कायाकल्प, दिव्यांग बच्चों

को शिक्षा एवं निपुण शिक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसी क्रम में खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश वर्मा ने आज प्राथमिक विद्यालय सेहुंडा, प्राथमिक विद्यालय गंभीरपुर, प्राथमिक विद्यालय रघुवीर का पुरवा में आकस्मिक निरीक्षण किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि आगे भी निरीक्षण का अभियान जारी रहेगा।

मा0 मंत्री, वित्त एवं संसदीय कार्य विभाग ने वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। मा0 मंत्री, वित्त एवं संसदीय कार्य विभाग, उ0प्र0 श्री सुरेश खन्ना बुधवार को सर्किट हाउस के सभागार में वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने पेंशनरों के ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पेंशन के भुगतान के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की, जिसपर मुख्य कोषाधिकारी कलेक्ट्रेट श्री शिवेन्द्र सिंह ने बताया कि पेंशनरों का भुगतान समय से हो जाता है। कहा कि पेंशनर्स के भुगतान में किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं होने पाती है। उन्होंने कोषागार में सृजित पदों एवं उसके सापेक्ष कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों की स्थिति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। मा0 मंत्री जी ने कोषागारों में साफ-सफाई के बारे में भी जानकारी प्राप्त की, जिसपर मुख्य कोषाधिकारी के द्वारा बताया कि कोषागारों में नियमित रूप से साफ-सफाई होती है। मा0 मंत्री जी ने सहायक रजिस्ट्रार चिट फंड सोसायटी से उपजिलाधिकारियों के यहां लम्बित प्रकरणों के निस्तारण की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए समन्वय बनाकर प्रकरणों का शीघ्रता से निस्तारण कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा सहित अन्य विभागों में वित्त से सम्बंधित कार्यों की जानकारी लेते हुए सभी अधिकारियों को समय से कार्यों को सम्पादित किए जाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर मुख्य कोषाधिकारी कलेक्ट्रेट्ट श्री शिवेन्द्र सिंह, अन्य कोषाधिकारियों सहित सम्बंधित विभागों के लेखाधिकारीगण उपस्थित रहे।

ट्रक और पिकप की टक्कर में किन्नर वेशधारी युवक की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। गंगानगर के सोरांव थाना क्षेत्र के इंडिया कोखराज बाईपास पर बुधवार की देर रात ट्रक और पिकप की टक्कर में वाहन के पास खड़े एक किन्नर वेशधारी युवक की मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। काफी देर के बाद मृतक की पहचान हो पाई। किन्नर वेशधारी एक युवक इंडिया कोखराज हाईवे बाईपास पर देर रात सड़क से गुजर रहे वाहनों को रोककर पैसा मांग रहा था। एक पिकप वाहन को रोककर वह पैसा मांग रहा था कि पीछे से आए तेज रफ्तार एक ट्रक ने पिकप में टक्कर मार दी। इससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में किन्नर वेशधारी युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। काफी छानबीन के बाद मृतक की पहचान सोरांव थाना क्षेत्र के तलाक चौधरी गांव निवासी अभिषेक (22) रामानंद के रूप में हुई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने सड़क पर से वाहनों को हटवाकर आवागमन चालू कराया।

प्रयागराज मे पुलिस ने न्यायालय में सरेंडर करने जा रहे युवक को दबोचा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। को पुलिस ने बीच रास्ते में ही दबोच लिया। इसको लेकर जमकर हंगामा हुआ। जिसके कारण सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। आरोपी के वकीलों ने पुलिस अभद्रता का आरोप लगाया है। होलागढ़ के प्रधान का पति राहुल पांडेय हत्या के प्रयास के एक मुकदमे में वांछित चल रहा था। पुलिस उसको काफी दिनों से खोज रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली की राहुल पांडेय सोमवार को न्यायालय में आत्मसमर्पण करने के लिए जा रहा है। पुलिस ने शहर के महाराणा प्रताप (मेयो हॉल) चौराहे के पास आरोपी को दबोच लिया। इसको लेकर आरोपी के वकीलों ने हंगामा शुरू कर दिया। वकील पुलिस पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए सड़क पर बैठ गए। इसके कारण आवागमन बाधित हो गया यह मामला काफी देर तक चलता रहा। इसके बाद पुलिस आरोपी को लेकर थाने पहुंची। अधिक्ता रत्नेश शुक्ला का आरोप है कि पुलिस ने उनके साथ अभद्रता और धक्का मुक्की की।

प्रयागराज में वकील को गोली मारी:साथियों के साथ बेली रोड पर जाम लगाया; 40 मिनट तक हंगामा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज में मंगलवार को अधिवक्ता राज कुमार श्रीवास्तव को जमीनी विवाद में गोली मार दी गई। हालांकि वो बाल-बाल बच गए। गोली चलने से इससे नाराज अधिवक्ताओं ने टीबी सप्रू अस्पताल (बेली) के सामने जाम लगा दिया। थोड़ी ही देर में मेयोहॉल से लेकर तेलियरगंज चौराहे तक जाम लग गया। इससे पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। काफी मशक्कत के बाद और आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन देने के बाद अधिवक्ताओं ने रास्ता साफ किया। गोली चलाने विनोद कुमार मिश्रा पुलिस हिरासत में अधिवक्ता राजकुमार श्रीवास्तव ने कर्नलगंज पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में कहा गया है कि जमीन के विवाद में उनके ऊपर विनोद कुमार मिश्रा द्वारा फायरिंग की गई। फायरिंग में वह बाल-बाल बच गए। इसके बाद नाराज अधिवक्ताओं ने जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गोली चलाने के आरोपी अधिवक्ता विनोद कुमार मिश्रा को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने राजकुमार श्रीवास्तव को काफी समझाया कि आरोपी पर कानूनी कार्रवाई होगी। विनोद मिश्रा को हिरासत में ले लिया गया है। पूछताछ हो रही है और उनके पास से 1 पिस्टल, 1 डबल बैरल बंदूक बरामद कर लिया गया है। इसके बाद हंगामा कर रहे अधिवक्ताओं को पुलिस ने काफी समझा-बुझाकर किसी तरह से जाम खुलवाया। जाम की वजह से तेलियरगंज से लेकर नेहाल चौराहे तक जो जहां रहा वहां 40 मिनट तक फंसा रहा।

प्रयागराज: आधी-अधूरी तैयारियों पर महाप्रबंधक ने लखनऊ मंडल के अफसरों को लगाई फटकार

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज रेलवे स्टेशन की तस्वीर बदलने को लेकर काम लगातार जारी है। शुक्रवार सुबह को एनआर के महाप्रबंधक शोभन चौधुरी यहां पहुंचे और प्रयाग स्टेशन का निरीक्षण किया। वहां एक और प्लेटफार्म के लिए बनाए गए प्लान में कई खामियां निकाली प्लेटफार्म की लंबाई, चौड़ाई न बता पाने और अधूरी तैयारियों पर नाराजगी व्यक्त की। महाप्रबंधक शोभन चौधुरी ने अधिकारियों को जमकर लताड़ा। उन्होंने अधिकारियों से फटाफट काम निपटाने के निर्देश दिए। अधिकारियों से शोभन चौधुरी ने कहा कि दिखाने को तो हवा में ताजमहल भी दिखा सकते हो, हकीकत में भी कुछ होना चाहिए। डीआरएम लखनऊ सुरेश सपरा समेत अन्य अधिकारी जीएम के सवालों का सीधा जवाब नहीं दे पाए। इस दौरे में महाप्रबंधक शोभन चौधुरी ने सभी तैयारियों का जायजा लिया। महाकुंभ को लेकर प्रयागराज में बनने जा रहे छह रेल ओवर ब्रिज और लेवल क्रासिंग के बंद होने से संबंधित प्लान को लेकर भी सवाल किए। स्टेशनों पर पार्किंग और साफ सफाई की व्यवस्था में सुधार का निर्देश दिया।

सम्पादकीय

राजनीति का विस्तार और विस्तार की राजनीति के बीच सत्ता-विपक्ष की बैठकों के मायने

तो क्या 18 जुलाई की शाम को 2024 के लोकसभा चुनाव की तस्वीर सामने आ जाएगी? देश को पता चल जाएगा कि एनडीए के साथ कौन-कौन है और विपक्ष के खेमे में कौन-कौन है? बंगलूरू में विपक्ष की बैठक 17-18 जुलाई को होनी है और भाजपा ने भी बहुत साल बाद एनडीए की बैठक 18 जुलाई को बुलाई है। कहा जा रहा है कि भाजपा को एनडीए की याद इसलिए आ रही है, क्योंकि विपक्ष एक होने की संभावना पर काम कर रहा है। उधर विपक्ष की मजबूरी है कि एक नहीं हुए, तो एक-एक करके खत्म हो जाएंगे। कुल मिलाकर यह राजनीति का विस्तार है और विस्तार की राजनीति है। पहले बात विपक्ष की। पटना के बाद यह विपक्ष की दूसरी कोशिश होगी। क्या बंगलूरू में विपक्ष के गठबंधन को कोई नाम मिलेगा और वह अपना संयोजक चुनने में सफल रहेगा? विपक्ष को नारा और नीति पर भी काम करना होगा। आखिर मोदी ब्रांड के खिलाफ यह नारा नहीं चल सकता कि 'मोदी हटाओ, देश बचाओ' या 'मोदी को हराना है, सत्ता से हटाना है'। गठबंधन को नारा इस विमर्श के आसपास बुनना होगा कि विपक्ष सत्ता में आया तो क्या करेगा। रोजगार, महंगाई जैसे मुद्दों का इलाज किस रूप में करेगा? उसे एक गेम चेंजिंग आइडिया की जरूरत तो होगी। क्या यह संघवाद हो सकता है, यानी अगर गठबंधन सत्ता में आया, तो राज्यों को अधिक अधिकार देगा। यह आइडिया कांग्रेस को नापसंद करने वाले ओडिशा के नवीन पटनायक, आंध्र प्रदेश के जगन मोहन रेड्डी और तेलंगाना के केसीआर को भा सकता है। एक अन्य आइडिया न्याय योजना का है। राहुल गांधी ने पिछले लोकसभा चुनाव से पहले घोषणा की थी कि यूपीए सत्ता में आई, तो देश की सबसे गरीब बीस फीसदी जनता को छह हजार रुपये महीने यानी 72 हजार रुपये सालाना दिए जाएंगे। तब यह आइडिया किसी के गले नहीं उतरा। तीसरा आइडिया राइट टू हेल्थ है। अभी मोदी सरकार आयुष्मान योजना चला रही है, जिसमें करीब दस करोड़ परिवारों को लाभ मिल रहा है। क्या विपक्ष 140 करोड़ लोगों को इसके दायरे में लाकर अपनी राजनीति का विस्तार करने की संभावना तलाश सकता है? चौथा, सामाजिक सुरक्षा कानून है। सामाजिक सुरक्षा कानून के तहत देश का हर जरूरतमंद वोटर आ जाएगा। यह लाभार्थी वोट बैंक में विस्तार करने की राजनीति होगी। उधर एनडीए की बात करें, तो नौ साल बाद ऐसी कोई बैठक होगी। प्रधानमंत्री मोदी को किसी नए गेम चेंजर आइडिया की जरूरत नहीं है। उन्हें सिर्फ कुनबे का विस्तार करने की जरूरत है। इसके लिए काम शुरू भी हो गया है। जहां-जहां विरोधियों का महागठबंधन है, वहां-वहां सियासी बुलडोजर चल रहा है। महाराष्ट्र में शिवसेना के बाद एनसीपी इसकी की हद में आई है। कांग्रेस में रहे सुनील जाखड़ को भाजपा ने पंजाब और मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री रही एनटीआर की बेटी पुरुंदेश्वरी देवी को आंध्र प्रदेश की कमान सौंप कर विस्तार की राजनीति का ट्रेलर दिखाया है। जीतन राम मांझी भी एनडीए में आ गए हैं। अकाली दल से बात चल रही है। ओम प्रकाश राजभर से लेकर वीआईपी पार्टी के मुकेश साहनी से बात अंतिम दौर में है। मायावती का मायावी साथ मिल ही रहा है। विपक्ष का रह-रहकर एक ही आरोप होता है कि ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग का दुरुपयोग हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी निदेशक संजय मिश्रा को अतिरिक्त विस्तार नहीं दिया, तो गृहमंत्री अमित शाह ने चेता दिया कि किसी एक के जाने से खुश होने की जरूरत नहीं है। ईडी को जो शक्तियां मिली हुई हैं, वे अपनी जगह हैं। प्रधानमंत्री मोदी विपक्षी दलों के परिवारवाद और भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाने की बात करते रहे हैं, लेकिन वह जनता को दस साल का हिसाब देने के मोर्चे पर भी लगे रहते हैं। भले ही दस वर्षों में मोदी सरकार रोजगार और आर्थिक मोर्चे पर ज्यादा सफल नहीं हो पाई हो, लेकिन उसका घोषणापत्र बढ़-चढ़कर बोल रहा है। अनुच्छेद 370 का हटना, तीन तलाक खत्म होना इस तरकश के दो तीर हैं। सबसे बड़ी बात है कि जनवरी में राम मंदिर दर्शन के लिए खुल जाएगा। समान नागरिक संहिता पर काम तेजी से चल रहा है। वैसे बूथ प्रबंधन और आर्थिक संसाधन आदि को भी महंगे होते चुनाव के मद्देनजर राजनीति के विस्तार और विस्तार की राजनीति का हिस्सा मानना चाहिए।

लौवर संग्रहालय पहुंचें पीएम मोदी, कहा- फ्रांस भारत की दोस्ती विश्व शांति में दे रही योगदान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस समारोह के हिस्से के रूप में बैस्टिल दिवस परेड में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। बता दें कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मंत्री दो दिवसीय यात्रा पर यहां गुरुवार को पहुंचे थे। बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित किया था पीएम मोदी फ्रांस के दो दिवसीय संबोधित भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भोज रात्रिभोज में शामिल होने के लिए पेरिस के लौवर संग्रहालय पहुंचेंगे। उनके स्वागत के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रों रही मौजूद। पेरिस के लौवर संग्रहालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में दुनिया को कई उतार-चढ़ाव और चुनौतीपूर्ण समय का सामना करना पड़ा, लेकिन फ्रांस का विषय है। ये भारतीय लोगों के प्रति आपके स्नेह और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राजदूत पास्कल काग्नि ने की पीएम की प्रशंसा वहीं पीएम मोदी के विजन पर अंतरराष्ट्रीय निवेश के लिए फ्रांस के राजदूत पास्कल काग्नि ने कहा कि ठमेरा मानना ??है कि कुल मिलाकर यह बेहद दूरदर्शी और महत्वाकांक्षी है। इसलिए हम इससे बहुत खुश हैं। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रपति मैक्रों यूरोप मंत्रालय के सस्टेनेबल सिटीज टास्क फोर्स के प्रमुख गेरार्ड वुल्फ ने कहा कि ठसस्टेनेबल सिटीज आज के प्रमुख विषयों में से एक है। मुझे लगता है कि उन्हें (पीएम मोदी) सही बात पता चली है।ठ ..स्पष्ट रूप से प्रमुख समस्याओं में से एक भारत में आने वाली सभी शहरी आबादी के लिए समाधान ढूंढना है। और ग्रामीण से शहरी प्रवास के संदर्भ में, हमें और अधिक भागीदार बनाना का आग्रह किया। इंडो-पैसिफिक कॉपरेशन रोडमैप पर कर रहे काम पीएम मोदी ने राष्ट्रपति मैक्रों के साथ साझा प्रेस वार्ता में कहा कि हमारे सहयोग को एक रचनात्मक रूप देने के लिए हम इंडो-पैसिफिक कॉपरेशन रोडमैप पर काम कर रहे हैं। इंडो-पैसिफिक ट्रांयगुलर डेवेलपमेंट कॉपरेशन फंड के प्रस्ताव पर भी दोनों पक्ष चर्चा में है। इससे पूरे क्षेत्र में स्टार्टअप और इनोवेशन को बढ़ावा देने वेऽ लिए नए अवसर खुलेंगे।उन्होंने आगे कहा कि भारत स्थायी शांति की बहाली में योगदान देने के लिए तैयार है। आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में भारत और फ्रांस हमेशा साथ रहे हैं। हम मानते हैं कि क्रॉस बोर्डर आतंकवाद को समाप्त करने के लिए ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है, इस दिशा में दोनों देश सहमत हैं। पीएम मोदी ने इस दौरान चंद्रयान- 3 का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज भारत में चंद्रयान के सफल लॉन्च पर पूरा देश उत्साहित है। यह हमारे वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि है। अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत और फ्रांस का पुराना और गहरा सहयोग है। हमारे स्पेस एजेंसियों के बीच नए समझौते हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम मार्सिले शहर में एक नया भारतीय वाणिज्य दूतावास खोलेंगे। हम फ्रांस में पढ़ रहे भारतीय मूल के लोगों को दीर्घकालिक वीजा देने के फैसले का स्वागत करते हैं। मैं फ्रांसीसी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने परिसर स्थापित करने के लिए आमंत्रित करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग संबंधों का एक मूलभूत स्तंभ रहा है। यह दोनों देशों के बीच गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत में फ्रांस एक अहम साथी है... सबमरिन हो या नौसेना के जहाज हम चाहते हैं कि मिलकर सिर्फ अपने ही नहीं तीसरे मित्र देशों के सहयोग के लिए भी हम काम करें। उन्होंने कहा कि हम अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। हम पिछले 25 वर्षों की मजबूत नींव के आधार पर अगले 25 वर्षों का रोडमैप बना रहे हैं। इसके लिए साहसिक एवं महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं। भारत के लोगों ने स्वयं को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस यात्रा में हम फ्रांस को एक स्वाभाविक भागीदार के रूप में देखते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मुझे यहां आज बैस्टिल डे परेड में पंजाब रेजिमेंट को देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ। हम एक ऐतिहासिक विश्वास के आधार पर आगे बढ़ रहे हैं और हम मिलकर वैश्विक संकटों का समाधान ढूंढ सकते हैं। उन्होंने कहा पीएम मोदी पेरिस के एलीसी पैलेस पहुंचे, जहां पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी यहां पर राष्ट्रपति मैक्रॉन के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे और दोनों नेता एक संयुक्त प्रेस बयान जारी करेंगे। ट्वीट कर क्या बोले पीएम मोदी पीएम मोदी ने अपने एक ट्वीट में कहा कि बैस्टिल दिवस के इस ऐतिहासिक अवसर पर पेरिस में परेड में शामिल हुआ। इस दौरान उन्होंने गर्मजोशी से किए गए स्वागत के लिए आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ठबैस्टिल दिवस के इस ऐतिहासिक अवसर पर पेरिस में परेड में शामिल हुआ। गर्मजोशी से किए गए स्वागत और सम्मान के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।ठपीएम मोदी के परेड में पहुंचने पर फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रॉन और फ्रांस की पीएम एलिजाबेथ बोर्न ने उनका स्वागत किया। फ्रांसीसी राष्ट्रीय दिवस या बैस्टिल दिवस फ्रांस के इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है, क्योंकि यह 1789 में फ्रांसीसी क्रांति के दौरान बैस्टिल जेल पर हमले की याद दिलाता है। बैस्टिल दिवस परेड समारोह का मुख्य आकर्षण है। भारतीय सैनिक भी परेड का हिस्सा इस बार परेड में 269 सदस्यीय भारतीय सेना के जवान भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर फ्रांसीसी जेट विमानों के साथ भारतीय वायु सेना (ईंह) के तीन राफेल लड़ाकू विमान भी फ्लाईपास्ट में शामिल होंगे।

दौरे पर गए हैं। इस दौरान उन्होंने पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस समारोह के हिस्से के रूप में बैस्टिल दिवस परेड में सम्मानित अतिथि के रूप में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ शामिल हुए। पीएम मोदी पेरिस के एलीसी पैलेस पहुंचे जहां पर राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने उनका स्वागत किया। यहां पर दोनों नेताओं ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को और भारत की दोस्ती लगातार गहरी होती गई। हम न केवल दोनों देशों के कल्याण में बल्कि विश्व शांति और सुरक्षा में भी योगदान दे रहे हैं। हमारी साझेदारी वैश्विक भलाई के लिए एक ताकत है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कल फ्रांस के सर्वोच्च पुरस्कार से मुझे सम्मानित किया गया। यह मेरे और सभी भारतीयों के लिए गर्व और सम्मान के साथ अविश्वसनीय रूप से अच्छी तरह से मेल खाता है।ठ इसलिए अब समय आ गया है कि हमें एहसास हो कि... हम 20 वर्षों से भारत का समर्थन कर रहे हैं और अब समय आ गया है कि हम इसे और मजबूततरीके से करें। इसलिए फ्रांस और भारत के बीच अधिक निवेश, अधिक साझेदारी हो।वहीं पीएम मोदी के साथ बातचीत पर होगा। हमारे पास समाधान हैं...हमें बस अपना सहयोग बढ़ाना है ...ठपीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, ठराष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और मैंने व्यापार सहयोग में विविधता लाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शीर्ष सीईओ से मुलाकात की। मैंने भारत में सुधारों पर प्रकाश डाला और उद्यमियों से हमारे देश में उपलब्ध कई अवसरों का लाभ उठाने

मणिपुरः ठीक नहीं है सेना पर कीचड़ उछालना, देश के लिए खतरनाक हैं ऐसे बयान

मणिपुर में सेना पर कीचड़ उछालने वाले भयानक देशद्रोह कर रहे हैं। यह वह सेना है, जिसकी बदौलत असम, नगालैंड, मिजोरम और मणिपुर भारत का अभिन्न अंग बने हुए हैं। मणिपुर की भौगोलिक एकता पूरे भारत से जुड़ी हुई है। इसकी हिफाजत विभाजक मुद्दे उठाकर नहीं की जा सकती। दो महीने से ज्यादा सकते हैं। भारत के पूर्व और पूर्वोत्तर से हमारा सरोकार है। यहां के लोगों, स्थानों, क्षमताओं और भविष्य से हमारा सरोकार है। म्यांमार, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान से लगे चीन की पहुंच वाले क्षेत्र में बेलौस मुहब्बत तो यह फिक्र नहीं पैदा कर रही, हालांकि गार्सेटी ने यह बताना आवश्यक समझा कि अमेरिका का कामना है कि चर्चों को जलाए जाने, हत्याओं और हिंसा की एक भी फोटो या वीडियो क्लिप अब देखने को न मिले। अगर शांति स्थापित करने का एक ही रास्ता है, तो क्या हम उसे चुनेंगे? सांविधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति को इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। लेकिन इसकी भी पृष्ठभूमि है। 18 जून को मणिपुर के नस्ल के आधार पर खड़े किए गए आख्यान की यह अनिवार्य त्रासदी होती हमणिपुर में लगी आग ने पहली बार भारतीय सेना को परोक्ष रूप से किसी राजनेता का प्रतिवाद करने को बाध्य कर दिया। हिंदुस्तान टाइम्स की 31 मई की रिपोर्ट : चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि मणिपुर में झड़पों का संबंध को छोड़ना पड़ा नासूर के फैलाव का यह परिणाम है कि भारत की भौगोलिक अखंडता की रक्षा में अंतिम अस्त्र सेना को निशाना बनाया जाने लगा। मणिपुर में सेना पर कीचड़ उछालने वाले भयानक देशद्रोह कर रहे हैं। यह वह सेना है, जिसकी बदौलत असम, नगालैंड, मिजोरम और मणिपुर में बहुमत कुकियों का है, मगर इनमें करीब बीस फीसदी मैती हैं; इसके अलावा तमिल और अन्य जातीय लोग भी हैं। चक्रवर्ती बताते हैं कि कर्नाटक और तमिलनाडु के लाल चंदन को मोरेह लाकर म्यांमार और वहां से दक्षिण-पश्चिम चीन भेजा जाता है। भारत के पूर्वोत्तर की तुलना में वहां कीमत चार-पांच गुना हो जाती

वक्त हो गया, मणिपुर में सुधरते-बिगड़ते हालात के बीच आ रहे बयानों से हमारे माथे पर चिंता की लकीरें पड़नी चाहिए। अमेरिका में प्यार की पींगों के बाद अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कोलकाता स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि मणिपुर की घटनाएं मानवीय चिंता का विषय हैं। अंग्रेजी दैनिक द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा, 'हम शांति की कामना करते हैं। जब आप हिंसा में बच्चों को मरता देख रहे हों, तब आपको परवाह करने के लिए भारतीय होना जरूरी नहीं है। अगर कहा जाए, तो हम हर तरह से सहायता करने को तैयार हैं। मार्गदर्शक सिद्धांत यह हो कि हर व्यक्ति जुड़ाव महसूस करे। हम वहां अधिक सहकार, अधिक परियोजनाएं और अधिक निवेश ला सरोकार सामरिक नहीं है। पूर्वोत्तर में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विकास मॉडल का उदाहरण आईएएस अधिकारी आशीष कुंद्रा ने गहन फील्ड वर्क के बाद हाल में प्रकाशित किताब ए रिसर्जेंट नॉर्थ ईस्ट : नैरेटिव्स ऑफ चेंज में दिया है। असम में एक किसान ने उन्हें बताया कि बहुराष्ट्रीय निगमों ने खाद्य वस्तुओं के पीछे षड्यंत्र चला रखा है; वे हाइब्रिड बीज बेचते हैं, जिससे स्थानीय फसलें और जीन पूल तबाह हो रहे हैं। दूसरा बयान मिजोरम के मुख्यमंत्री और एनडीए के समर्थक, मिजो नेशनल फ्रंट के नेता जोरमथंगा का है। मणिपुर में एक कुकी का सिर काटे जाने के बाद उन्होंने संकेत दिया कि एक प्रशासकीय यूनिट के तहत सभी मिजो जनों को रखने की फ्रंट की ऐतिहासिक मांग फिर रखी जा सकती है। हमारी मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने जोरमथंगा से अनुरोध किया कि मिजोरम के मैती निवासियों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जाएं।रिपोर्टों के मुताबिक, मणिपुर में हिंसा के नतीजतन वह भागकर मिजोरम पहुंचे, बारह हजार से ज्यादा ईसाई कुकियों की खोज-खबर नहीं ली। अगले दिन टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बीरेन सिंह ने इंफाल में मीडिया से कहा, 'मुख्यतः कुकी दहशतगर्द हिंसा बंद करें, वरना उन्हें नतीजे भुगतने पड़ेंगे। मैं हथियारबंद मैतियों से अपील करता हूं कि वे कहीं भी हमले न करें और शांति बनाए रखें।' शब्दावली से भावार्थ बहुत स्पष्ट है। अल्टीमेटम जैसी भाषा में इस कड़वे सच की झलक नहीं मिलती कि मौके के हिसाब से दोनों पक्ष मारकाट कर रहे हैं। अलगाव की प्रबल भावना और धर्म-उग्रवाद विरोधी कार्रवाई से नहीं है, यह मुख्यतः जातीय हिंसा है। तीन दिन पहले बीरेन सिंह ने कहा था, 'सुरक्षा बलों और उग्रवादियों में हुई मुठभेड़ में 40 कुकी मारे गए।' पहली बार यह भी हुआ कि सेना के अंदर मैती-कुकी को देखा जाने लगा। विविधतापूर्ण देश की सेना इस स्थायी एवं अपरिवर्तनीय सिद्धांत की याद दिलाने को मजबूर हुई कि भारतीय सेना के सभी रैंक नस्ल, जाति, मत, लिंग-भेद से मुक्त हैं। सेना ने उस वीडियो को भी जारी कर दिया, जिसमें महिलाओं का एक मोर्चाबंद समूह सैनिकों को सशस्त्र उग्रवादियों के विरुद्ध कार्रवाई करने से रोक रहा था। सेना महिलाओं पर गोली चला नहीं सकती थी, इसलिए उसे एक मैती उग्रवादी संगठन के 12 उग्रवादियों भारत का अभिन्न अंग बने हुए हैं। मणिपुर पुलिस को मैती-कुकी आधार पर बांट दिया गया। अर्द्ध सैनिक बलों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए जाने लगे। सब कुछ बिखर जाए, तो पाकिस्तान और चीन के ही मंसूबे पूरे होंगे। मणिपुर में हिंसा के शुरुआती दौर में ही कथानक गढ़ा जाने लगा कि नशे के कारोबारी चोट पड़ने की वजह से हिंसा पर उतर आए हैं। इशारा कुकियों की ओर था। कुकी बहुल पहाड़ी जिले चूराचंद्रपुर का सीमावर्ती इलाका मोरेह तरह-तरह के काले कारोबार का गढ़ है। सुदीप चक्रवर्ती ने अपनी चर्चित पुस्तक द ईस्टर्न गेट में मोरेह प्रवास का आंखें खोल देने वाला विवरण दिया है। हेरोइन विक्रेता, एक मैती महिला ने उन्हें बताया कि लगभग 150 विक्रेताओं है। इस धंधे में लगे कुछ असरदार तमिलों की पहुंच पूर्वोत्तर से लेकर हजारों मील दूर दक्षिण भारत तक है। जाहिर है, अंतरराष्ट्रीय तस्कर इतने बड़े मकड़जाल को विशाल भू-भाग में विभिन्न स्तरों पर सरकारी मिलीभगत के बिना सुरक्षित नहीं रख सकते। जहरीली मानसिकता सिर्फ एक बिंदु को देखती है। तकरीबन शांत चल रहे मणिपुर में तीन मई को भड़की हिंसा के बाद कुकी मैतियों के साथ नहीं रहना चाहते। उधर मणिपुर के नगाबहुल, करीब एक तिहाई हिस्से पर नगालैंड की नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (आई-एम) पहले से ही दावा कर रही है। मणिपुर की भौगोलिक एकता पूरे भारत से जुड़ी हुई है। इसकी हिफाजत विभाजक मुद्दे उठाकर नहीं की सकती।

अंतरिक्ष में परचम लहराने की तैयारी, 140 तक पहुंची टेक्नोलॉजी स्पेस स्टार्ट-अप्स की संख्या

वर्ष 2014 से पहले भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ा सिर्फ एक टेक्नोलॉजी स्पेस स्टार्ट-अप था, वहीं अब ऐसे स्टार्ट-अप की संख्या 140 तक पहुंच चुकी है। एक जमाने में भारत को सपेरों का देश कहा जाता था, लेकिन अब भारत अंतरिक्ष की दुनिया में एक महाशक्ति बनने की राह पर 30 लाख करोड़ रुपये की है, जिसमें भारत की हिस्सेदारी 57,431 करोड़ रुपये की है। लेकिन अगले पांच वर्षों में इसमें सालाना 48 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जिससे आगामी पांच वर्षों में भारत की स्पेस इकनॉमी चार लाख 10 हजार करोड़ रुपये की हो सकती है। भारत के स्टार्ट-अप सिर्फ

अग्रसर है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी भूमिका को पूरी तरह से बदल दिया है। वर्ष 2014 से पहले जहां भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ा सिर्फ एक टेक्नोलॉजी स्पेस स्टार्ट-अप था, वहीं अब ऐसे पंजीकृत स्टार्ट-अप की संख्या 140 तक पहुंच चुकी है। इसके अतिरिक्त भारत में ऐसी कंपनियों की संख्या 400 से ज्यादा हो गई है। अभी अंतरिक्ष सेवाएं देने के मामले में भारत अमेरिका, चीन, जापान और ब्रिटेन के बाद पांचवें स्थान पर पहुंच चुका है। अभी पूरी दुनिया की स्पेस इकनॉमी लगभग मैन्युफैक्चरिंग तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सैटेलाइट और रॉकेट इंजन भी अपने देश में विकसित कर रहे हैं। इनमें से कुछ स्टार्ट-अप ने अगले एक दशक में 30 हजार सैटेलाइट लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है। अब ज्यादातर भारतीय स्टार्ट-अप 'इनोवेशन' पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारतीय स्टार्ट-अप अपनी खुद की रिसर्च (अनुसंधान) और अपने ही देश के काबिल इंजीनियरों के बल पर काम कर रहे हैं। पूरी दुनिया में सबसे काबिल और सस्ते इंजीनियर हमारे इन्हीं स्टार्ट-अप में काम कर रहे हैं।

नोएडा जीएसटी नेटवर्क को मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के प्रावधान के दायरे में लाने का उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल नोएडा इकाई ने कड़ा विरोध किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष नरेश कुच्छल ने मीडिया को जारी एक बयान में कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हाथों छोटे और मध्यम व्यापारियों का अनावश्यक उत्पीड़न करने का प्रावधान लाया गया है। सरकार बार-बार कानूनों में बदलाव लाकर छोटे- बड़े उद्यमियों को परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार व्यापारियों की धैर्य की परीक्षा न ले, अन्यथा 2024 के लोकसभा चुनाव में उसे भारी कीमत चुकानी होगी। नरेश कुच्छल ने कहा कि जीएसटी को पीएमएलए के दायरे में लाना छोटे व्यापारियों के लिए बड़ा खतरा होगा। इससे छोटे-छोटे व्यापारी तबाह हो जाएंगे। उनके समक्ष भुखमरी की समस्या उत्पन्न हो जाएगी। फिर सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने बताया कि 7 जुलाई को एक

अधिसूचना जारी की गई थी, जिसमें जीएसटीएन को पीएमएलए के तहत लाया गया था। इसका मतलब है कि जो व्यवसायी कुछ कठिनाइयों के कारण जीएसटी दाखिल करने में असमर्थ हैं, उन पर पीएमएलए के तहत ईडी द्वारा मुकदमा चलाया जा सकता है। इस आदेश का उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल विरोध करता है। उन्होंने कहा कि इससे व्यापारी वर्ग में हताशा व चिन्ता है। इस आदेश से व्यापार जगत में दहशत का माहौल है। इससे व्यापारी के उत्पीड़न की संभावना है और यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा देगा। एक तरफ तो सरकार व्यापार को इजी एण्ड ड्यूईंग बनाने को कह रही है और दूसरी तरफ अनावश्यक गैर जरूरी और डरावने कानून व्यापारी पर थोप रही है।

मैहर कई वर्षों से विवादित सड़क को श्रीकांत चतुर्वेदी की समझाइश से मिला बड़ा रास्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। सोनवारी ग्रामपंचायत में पिछले कई वर्षो से वार्ड क्रमांक एक में

आवागमन के लिये सड़क न होने से काफी समस्य का सामान करना पड़ रहा था स्थानीय निवासियों को इस मामले में गांव के वर्तमान सरपंच श्रीमती कृष्णा मंटू उपाध्याय ने इस समस्या से अवगत कराया गया बताया जा रहा है कि वहां पर सड़क निर्माण में आपसी सहमति न बनने के कारण पिछले कई वर्षों से सड़क नहीं निर्माण हो पा रही थी जिसको लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी जी के कठिन परिश्रम और गांव में समझाइश देने के बाद आपसी सहमति से रोड में आवक जावक चालू करवाया गया मोरमी करण करण करवाकर निर्माणकार दिया गया हैं जिसको लेकर समस्त ग्रामवासी आज श्रीकांत चतुर्वेदी के कार्यालय पहुंच कर उनका माला पहना कर अभिवादन कियाऔर कोटि-कोटि आभार ज्ञापित किया गया आज श्रीकांत चतुर्वेदी जी के आभार प्रकट करने पहुंचे समस्त ग्रामवासी में सरपंच प्रतिनिधी मंटू उपाध्या विजय पटेल सुरेन्दु पटेल रामजियावन गनपत पटेल राजेश पटेल गोलू जे के पटेल मोनू पटेल संतभान सिंह राजू पटेल राकेश पटेल झुन्नू पटेल मुकेश पटेल शनि पटेल भोला पटेल पप्पू पटेल लल्ला पटेल नरेंद्र पटेल पुष्पेंद्र पटेल रामविश्वास पप्पू संतोष पटेल भोला पटेल भइया पटेल एवं समस्त वार्ड नंबर एक के स्थानीय ग्राम निवासी ने तहसीलदार जितेंद्र पटेल एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति श्रीकांत चतुर्वेदी का आभार ज्ञापित किया है।

डीएवी पब्लिक स्कूल खड़िया में आज विश्व युवा कौशल दिवस प्रेरणास्पद रूप में मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। डीएवी पब्लिक स्कूल खड़िया में आज विश्व युवा कौशल दिवस प्रेरणास्पद रूप में मनाया गया। जिसमें प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में विवेकानंद सदन के छात्रों ने एक लघु नाटिका

प्रस्तुत कर लोगों को सीख दी कि विद्यार्थियों सहित समाज के अन्य सभी लोगों को अपने अंदर अनेकानेक कौशलों का विकास करना नितांत आवश्यक है जो उनकी मौलिक प्रतिभा का परिचय कराते हुए दैनिक एवं व्यावहारिक जीवन में सफलता हेतु आवश्यक भी है। प्राचार्या श्रीमती संध्या एल पांडे जी ने अपने संबोधन के दौरान बताया कि आज विकास की दौड़ में सभी को अपनी चहुमुखी विकास हेतु मुख्य व्यवसाय के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में कौशल वान होना अति आवश्यक है । तदुपरांत कक्षा आठवीं के छात्रों के साथ निर्धारित कार्यक्रम अनुसार उन्होंने हवन भजन कर वातावरण की पुष्टि की। पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अंतर्गत जूनियर एवं सीनियर वर्ग के छात्रों की अलग-अलग प्रतियोगिताएं भी संपन्न हुई जिसमें कक्षा तृतीय से लेकर पांचवी तक के प्रत्येक सदन से छात्रों ने अपनी कविता पाठ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।जिसमें कक्षा 5 वी की छात्रा अंशिका मौर्या अरविंदो सदन से तृतीय स्थान पर रही, कक्षा 4 बी की छात्रा सुहानी सचान अरविंदो सदन से द्वितीय स्थान पर रही तथा तृतीय अ की छात्रा आरती चौधरी अरविंदो सदन से प्रथम स्थान अर्जित की। सीनियर वर्ग के फुटबॉल सेमीफाइनल प्रतियोगिता में अर्विंदो सदन एवं विवेकानंद सदन के छात्रों ने बढ़-चढ़कर प्रदर्शन किया जिसमें विवेकानंद सदन रनर रहा तथा अर्विंदो सदन ने विनर का खिताब जीता ,वही सीनियर वर्ग से खो-खो सेमीफाइनल प्रतियोगिता में अरविंदो तथा श्रद्धानंद सदन की छात्राओं ने भी सक्रिय भूमिका निभाई, जिसमें श्रद्धानंद सदन रनर तथा अरविंदो सदन ने विनर का खिताब जीता।

सतना कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी ने बदल दिया थाने का माहौल

(आधुनिक समाचार सेवा)

सतना। थाना प्रभारी सुदीप सोनी ने कोलगवां में आने वाले पीड़ित अब खुले मन से बात करते हैं उन्होंने थाने के अंदर ऐसा माहौल बनाया है कि

पीड़ित व्यक्ति अपनी पूरी बात सहजता से करता है और उसकी बात भी सुनी जाती है त्वरित कार्रवाई करते हुए सुदीप सोनी कोलगवां थाना सतना का वह बदनाम थाना है जहां एक अच्छा और सांस्कृतिक और दबंग टी आई संभाल सकता है अपने कर्तव्यों का निर्वाह कोलगवां थाना प्रभारी निश्चित तौर पर कर रहे हैं जब से आए हैं तब से अपराधों पर नियंत्रण हुआ है और रिपोर्ट में भी विगत वर्षों से कम हुई है इससे यह साबित होता है की अपराध की दर कम हुई है इससे सतना में पुलिस कप्तान की मनसा उज्जवल बनाया है इस तरह सतना कप्तान आशुतोष गुप्ता जी का कहना है कि अपराधी कोई भी हो किसी भी कीमत में बख्शा नहीं जाएगा उनकी बात को पूर्ण रूप से पूर्ण करते हुए सुदीप सोनी कोलगवां में अपराधों पर नियंत्रण करने में हर पल तैयार रहते हैं उनकी विनम्र भाषा शैली सहज बात करने का तरीका लोगों को प्रभावित करता है जिससे अपनी समस्या लोग बिना लाग लपेट के सुना देते हैं यहां तक की उनके यहां अपराधी बिना किसी दबाव के उनकी बातों में उलझ कर अपना अपराध कबूल कर लेते हैं यह प्रक्रिया सहज ही सभी अधिकारियों में नहीं होती जिले की क्या बात करें प्रदेश में भी सहज तरीके से अपने कर्तव्यों का पालन करना बहुत ही कम अधिकारियों को आता है बहुत सारे अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को तू तलाक और गाली देकर बात करते हैं पुलिस का ऐसा नियम है पर थाना प्रभारी हमें खाकी वर्दी मिली है यह राष्ट्र हित और देश हित और समाज की सुरक्षा का दायित्व में सौंपा गया है उसी में पूरी तरह से निर्भर करता हूं कोलगवां के व्यक्ति से बात हुई उसने कहा कि अब थाने जाने में कोई डर नहीं लगता वहां सम्मान के साथ हमारी बातें सुनी और प्राथमिकी दर्ज की जाती है नाम ना बताने पर उन्होंने कहा कि पहले तो पैसे ले जाते थे अब कोई पैसे भी नहीं लिए जाते ना ही किसी प्रकार का दबाव दिया जाता वही एक बात में और फर्क पड़ा है की अब वहा किसी की फालतू की डिमांड पूरी नही की जाती इसके चलते लोग न खुश भी रहते है और अनर्गल अलाप करते है।

थाना फेस-2 नोएडा पुलिस द्वारा एक वाहन चोर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। थाना फेस-2 पर वादी द्वारा सूचना दी गयी थी, उनकी मोटरसाइकिल स्पलेन्डर प्लस नम्बर यूपी 16 बी.वी 5120 दिनांक 14/07/23 को समय सुबह करीब 7 बजे जिम के सामने से किसी अज्ञात चोर

द्वारा चोरी कर ली गयी है। वादी द्वारा दी गयी सूचना के आधार पर थाना फेस-2 नोएडा पर मु0अ0सं0 0315/23 धारा 379 भादवि पंजीकृत किया गया। घटनास्थल के आस-पास के सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गयी, लोकल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस व बीट पुलिसिंग के माध्यम से साक्ष्य एकत्र किये गये। जिनके आधार पर थाना फेस-2 नोएडा पुलिस द्वारा सेक्टर-83, मैट्रो स्टेशन रोड के कट के पास से अभियुक्त पवन पुत्र अशोक को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल हीरो स्पलेन्डर प्लस रंग काला रजिस्ट्रेशन नंबर-यूपी 16 बी.वी 5120 सम्बन्धित मु0अ0सं0 0315/23 धारा 379 भादवि बरामद की गयी है। अभियुक्त द्वारा पूछने पर बताया गया कि ये मोटरसाइकिल मैंने दिनांक 14.07.2023 को याकूबपुर में जिम के सामने से चोरी की थी जिसे चोरी करके मैंने इसको एंजेल पब्लिक स्कूल के पास एक जगह पर छुपा दिया था।

करतहा में करीब सवा करोड़ की उप स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टरों की अभाव में हो रहा खंडहर

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। विधायक नारायण त्रिपाठी की यह सौगात करतहा निवासी फुले नही समा रहे थे जिसमें करीब 7 वर्ष के लोकार्पण के बाद भी डाक्टर कंपाउंडर

नही हुए नियुक्त। दिनेश यादव की रिपोर्ट मैहर। करतहा ग्राम पंचायत में लगभग बीते 7वर्ष पहले शासन द्वारा बनाये गए उप स्वास्थ्य केंद्र जो करीब सवा करोड़ की लागत से थी जिसका भूमि पूजन से लेकर लोकार्पण तक मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी द्वारा किया गया जिसमें करीव वर्तमान सरपंच के बताए अनुसार इसमें करीब ढाई लाख की दवाइयां भी शासन द्वारा लाई गई थी यह उप स्वास्थ्य केंद्र के बनने से करीब दर्जन भर गांवों के लोगो को इलाज में राहत मिलती साथ ही अस्पताल के साथ डॉक्टर व स्टॉप के लिए रहने के लिए अलग से कमरे व सारी सुविधाओ के साथ इसको बनाया गया लेकिन जिला अधिकारी व जिला कलेक्टर की बेरुखी के कारण आज ये करोड़ो रुपयों की लागत से बनी अस्पताल शायद इसी तरह रहा तो खंडहर होते देर नही लगेगी और जो दर्जन भर गांवों को बीमारी से मुक्ति दिलाने की जो सपना सरकार व मैहर विधायक ने देखी थी उस पर पानी फेर रही है जबकि अस्पताल भवन के साथ वर्तमान सरपंच के बताए अनुसार बाउंड्री बाल भी थी जो अभी आज तक नही बनाई गई इसका भी पैसा ठेकेदार द्वारा डम्प कर दिया गया जो जिला अधिकारियों की मिली भगत से आज इस अस्पताल में अगर डॉक्टर व स्टॉफ की नियुक्ति हो गई होती तो शायद करतहा ग्राम पंचायत के साथ आसपास के ग्रामीणों को यहां वहां और मैहर अस्पताल या जिला अस्पताल नही छोटी मोटी इलाज के लिए भटकना पड़ता है लेकिन अच्छी सोच के साथ बनाई गई करतहा में अस्पताल पर किसकी बुरी नजर लगी कि लाखों की दवाइयां रखे रखे एक्सपायरी डेट की हो गई अच्छी खासी अस्पताल बाहर से खंडहर हो रही है अंदर पंखा बेड भी खराब हो रहा है। करतहा के लोगो को अपेक्षा है कि सरकारी तंत्र अस्पताल को सुचारू रूप से संचालित कर डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए।

राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्ति/संस्थाओं से आवेदन पत्र आमंत्रित

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। आवेदन पत्र जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय में

25 जुलाई तक करें जम विश्व दिव्यांग दिवस'' 03 दिसम्बर, 2023 के अवसर पर दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं, जिसके अन्तर्गत दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/स्वनियोजित दिव्यांगजन के लिए, दिव्यांगजन हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी के लिए सेवायोजकों, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिए, प्रेरणास्रोत हेतु, दिव्यांगजन के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास के लिये, दिव्यांगजन हेतु बाधामुक्त वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला के लिए, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क व्यक्तियों एवं सर्वश्रेष्ठ बालक/बालिका हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ ब्रेलप्रेस के लिए, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट हेतु, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाडियों के लिए एवं दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए श्रेणी निर्धारित की गयी हैं। राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली-2017 के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी एवं आवदेन पत्र का प्रारूप विभागीय वेबसाइट से डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है। इच्छुक व्यक्तियों/संस्थाओं को अवगत कराना है कि उक्त श्रेणी अंतर्गत निर्धारित आवेदन पत्र पूर्ण कर दो प्रतियों में दिनांक 25 जुलाई, 2023 तक विकास भवन, प्रयागराज में कक्ष संख्या-13 स्थित अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। यह जानकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्री नन्द किशोर याज्ञिक ने दी है।

अजित पवार गुट ने दस राज्यों के अध्यक्षों को हटाया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पर कब्जे को लेकर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के बीच छिड़ी जंग अब नए दौर में पहुंच गई है। शुरूआत में दोनों गुटों ने पार्टी पर कब्जे का दावा करते हुए पहले एक-दूसरे को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया था लेकिन अब दोनों गुट एक-दूसरे के समर्थन में खड़े पार्टी पदाधिकारियों को निपटाने में जुट गए है। अजित गुट ने इस दिशा अब तक सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए पार्टी के दस राज्यों के अध्यक्षों को निष्क्रियता व संगठन का काम-काज ठीक तरीके से नहीं करने के आरोप में तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इन राज्यों की कार्यकारिणी भी भंग कर दी है।इस बीच जिन राज्यों के अध्यक्षों को हटाने का यह फैसला लिया गया है अजित गुट ने इस दिशा अब तक सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए पार्टी के दस राज्यों के अध्यक्षों को निष्क्रियता व संगठन का काम-काज ठीक तरीके से नहीं करने के आरोप में तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। इन राज्यों की कार्यकारिणी भी भंग कर दी है। इस बीच जिन राज्यों के अध्यक्षों को हटाने का यह फैसला लिया गया है, उनमें दिल्ली, बिहार, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, गोवा, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, राजस्थान और अंडमान-निकोबार शामिल है।

मैहर में फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने वाला सरगना कौन

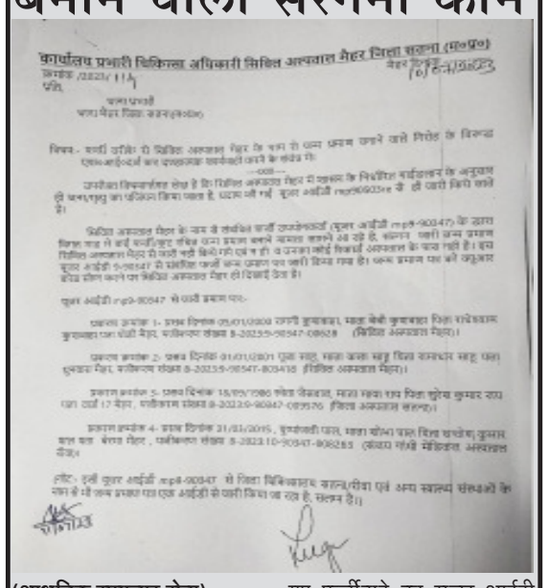

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। मैहर में इनदिनों फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने वाला गिरोह सक्रिय है मामले में खुलासा तब हुआ जब प्रमाण पत्र को लेकर उपयोगकर्ता डॉ प्रदीप निगम के पास पहुँचे। उन्होंने देखा कि जन्म प्रमाणपत्र में तो कंप्यूटरीकृत दस्तखत होते है लेकिन इनमें ऐसी आवश्यकता क्यो पड़ी। उन्होंने सभी मीले फर्जी प्रमाणपत्रों किये गए फर्जीवाड़े का यूजर आईडी सहित मामले की लिखित शिकायत मुख्याचिकित्सा अधिकारी सतना,कलेक्टर सतना व थाना मैहर को सौंपी है। मामला संगीन है इसलिए जांच भी आवश्यक है कि आखिर इस फर्जीवाड़े का सरगना कौन है। फिलहाल मामला पुलिसिया जांच में है देखने लायक होगा कि मैहर पुलिस इस फर्जी के गिरेवान तक कब पहुचती है।

सेवा प्रदायगी पखवाड़े के साथ जनसंख्या स्थिरता अभियान का दूसरा चरण

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। इच्छुक दंपति को उपलब्ध करायी जाएंगी परिवार नियोजन सेवाएं विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) से विश्व जनसंख्या स्थिरता अभियान का दूसरा चरण सेवा प्रदायगी पखवाड़ा शुरू हो रहा है। इस पखवाड़े के तहत इच्छुक लाभार्थियों (दंपति) को परिवार नियोजन संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आरसीएच) डा. ललित कुमार ने बताया- मंगलवार को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन संबंधी सेवाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी जाएगी और छोटे परिवार के बड़े फायदों के बारे में बताया जाएगा। उन्होंने बताया विश्व जनसंख्या स्थिरता अभियान दो चरणों में चलाया जा रहा है। पहला चरण 27 जून से 10 जुलाई तक चला। इसे दंपति संपर्क पखवाड़े के रूप में मनाया गया। इस दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर लक्षित दंपति से संपर्क किया और उनको परिवार नियोजन कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। दूसरा चरण मंगलवार (11 जुलाई) से जनसंख्या दिवस के अवसर पर शुरू होगा। यह पखवाड़ा 31 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान इच्छुक लाभार्थी दंपति को परिवार नियोजन के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके तहत नसबंदी शिविरों का आयोजन होगा, जिसमें महिला और पुरुष नसबंदी सेवा उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा- पुरुष और महिला नसबंदी, आईयूसीडी, पीपीआईयूसीडी, त्रैमासिक अंतरा इंजेक्शन, माला एन, कंडोम, छाया और ईसीपी की गोलियां बास्केट ऑफ च्वाइस का हिस्सा हैं, जिसे जो भी साधन उपयुक्त लगे वह इसका प्रयोग करके बच्चों के जन्म के बीच सुरक्षित अंतर रख सकता है। उन्होंने बताया- दंपति संपर्क पखवाड़े के दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर नव दंपति, एक वर्ष के दौरान प्रसव वाले दंपति और तीन या उससे अधिक संतानों वाले दंपति से मिलकर परिवार नियोजन कार्यक्रम के बारे में बताया और इच्छुक दंपति को परिवार नियोजन सेवाओं के लिए पंजीकृत किया। अब इन्हीं पंजीकृत दंपति को परिवार नियोजन की स्थाई सेवा (नसबंदी) उपलब्ध करायी जाएगी।

मध्यप्रदेश में किसानों को घटिया और गुणवत्ता विहीन बीज देने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे सरकार

(आधुनिक समाचार सेवा)

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को इस आशय के साथ खबर लिखा है कि किसानों को गुणवत्ता विहीन बीज दिया जाता है। जो कि किसान खेत के रकबे के अनुसार बीज लेकर बोनी करता है लेकिन गुणवत्ता विहीन बीज होने के कारण आधे बीज अंकुरित होते हैं और आधे ऐसे पड़ें के पड़े रह जाते हैं। हमारी मध्य प्रदेश के मुखिया से विनम्र निवेदन है कि गुणवत्ता युक्त अच्छा बीज मिले। प्रदेश के किसानों की आय दोगुनी करने के लिए मुख्यमंत्री 2005 से लगातार बातें कर रहे हैं लेकिन आज तक प्रदेश के किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई है बल्कि किसान कम आय की वजह से लगातार कर्ज के बोझ से दबे जा रहे हैं। और भी कई कारण हैं जिनकी वजह से किसान तरक्की नहीं कर पा रहा है उनमें से एक कारण गुणवत्तापूर्ण बीज का नहीं मिलना भी है। किसानों को अच्छा बीज मिले यह सुनिश्चित करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के कार्यकाल के समय ही बीज अधिनियम 1966, बीज नियम 1968, बीज नियंत्रण आदेश 1983 प्रभावशील हैं। इन नियमों के प्रकाश में किसानों को टी.एल.प्रदान किए जाए प्रदेश में राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम, मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बीज उत्पादक विपणन संघ भोपाल से संबंधित सहकारी समितियों, राष्ट्रीय बीज निगम, शासकीय प्रक्षेत्र सहित अन्य केंद्रीय बीज उत्पादक संस्थाओं के माध्यम से बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। शासन प्रतिवर्ष इस प्रक्रिया में करोड़ों रुपए अनुदान भी किसानों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य है कि प्रदेश में खेती किसानी के माध्यम से प्रगति के सपने देखने वाले किसान को सही गुणवत्ता का बीज मिल भी रहा है या नहीं, इसकी जांच कोई एजेंसी नहीं कर रही है।

जीएलबीआईएमआर ने प्रौद्योगिकी और शिक्षा में क्रांति लाने वाले अत्याधुनिक डिजिटल क्लासरूम का उद्घाटन किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित जीएल बीआईएमआर ने अपने प्रांगण में महत्वपूर्ण तीन डिजिटल क्लास रूम

का उद्घाटन किया। ये डिजिटल क्लासरूम अत्याधुनिक तकनीक और उन्नत सुविधाओं से लैस हैं, जो इंटरैक्टिव सीखने की सुविधा प्रदान करते हैं। आईआईएम, तिरुचिरापल्ली के निदेशक पवन कुमार सिंह ने डिजिटल कक्षाओं का उद्घाटन किया और कहा, ठआज, हम इन अत्याधुनिक डिजिटल कक्षाओं की शुरुआत के साथ जीएल बजाज की शैक्षिक यात्रा में एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। यह परिवर्तनकारी पहल हमारे शैक्षणिक दृष्टिकोण को बढ़ाएगी, जिससे हमारे छात्र गहनता से ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होंगे। जीएल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने शिक्षा में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ठशिक्षा अब पाठ्यपुस्तकों और ब्लैकबोर्ड तक ही सीमित नहीं है। डिजिटल क्रांति ने सीखने के अधिक गतिशील और आकर्षक माहौल का मार्ग प्रशस्त किया है। जीएलबीआईएमआर की निदेशक डॉ. सपना राकेश ने डिजिटल कक्षाओं के लॉन्च और उनके द्वारा समग्र शिक्षण अनुभव के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में अपनी प्रसन्नता साझा की। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी के उपयोग से छात्रों को पारंपरिक व्याख्यानों की शैली को तोड़ते हुए अधिक इंटरैक्टिव और आकर्षक ढंग से विषयों का पता लगाने में मदद मिलेगी। कक्षाओं में उच्च-रिज़ॉल्यूशन डिस्प्ले वाली तीन बड़ी स्क्रीन हैं। जो कमरे के हर कोने से स्पष्ट दृश्यता सुनिश्चित करती हैं। डिजिटल कक्षाएँ इंटरैक्टिव बोर्डों से सुसज्जित हैं जो प्रशिक्षकों और छात्रों को निर्बाध रूप से सहयोग करने में सक्षम बनाती हैं। डिजिटल कक्षाएँ इस क्षेत्र में अपनी तरह की अनूठी कक्षाएँ हैं जिनमें प्रत्येक कक्षा में 64 छात्र बैठ सकते है। पैनल स्क्रीन सक्रिय भागीदारी, एनोटेशन हाइलाइटिंग और इंटरैक्टिव अभ्यास के लिए सज्जित है और ऑडियो, वीडियो और एनिमेशन जैसे मल्टीमीडिया संसाधनों का एकीकरण सीखने की प्रक्रिया में एक अतिरिक्त आयाम जोड़ती है।

12 ग्राम हीरोइन के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला सोनभद्र। स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के डाला चढ़ाई से एक महिला हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार किया गया पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के साथ गिरफ्तार कर मु0अ0सं0 125/2023 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट थाना चोपन सोनभद्र पर पंजीकृत कर माननीय न्यायालय भेजा गया वहीं अभियुक्ता का आपराधिक इतिहास- 1. मु0अ0सं0 301/2016 धारा 8/

के अंतर्गत शुक्रवार सुबह 07.40 बजे डाला चढ़ाई स्वामी विवेकानन्द कान्वेन्ट स्कूल मोड़ के पास से बुधनी देवी उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी स्व0 रामदुलारे गुप्ता निवासी डाला चढ़ाई अभियुक्ता को 12 ग्राम अनुमानित कीमत 120,000 हजार रूपये (एक लाख बीस हजार रुपए) नाजायज हेरोईन 21 उइर्ऐं थाना चोपन सोनभद्र 2. मु0अ0सं0 125/2023 धारा 8/21 उइर्ऐं थाना चोपन सोनभद्र में बताया गया इस दौरान टीम चोपन थानाध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह ,डाला चौकी इंचार्ज राजेश प्रताप सिंह मु0 आरक्षी शिवसरन राम, महिला आरक्षी जोहरा बेगम शामिल रहे।

दो सब स्टेशन के बीच फसी ग्रामीणों की समस्या

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला सोनभद्र। ग्राम पंचायत-कोटा के टोला कोटा खास में बिजली की समस्या को वर्षो से झेल रहे ग्रामीण। जहां क्षेत्र के जेई व अधिशाषि अभियंता द्वारा गुमराह कर टाल मटोल का मामला प्रकाश में आया। चोपन थाना अंतर्गत परासपानी सब स्टेशन पर कोटा खास के ग्रामीणों से जम कर प्रदर्शन किया। अपनी मांगों को लेकर सम्बन्धित जेई रामलाल से बात करने के बाद सब स्टेशन पर लगभग 2 दर्जन से ज्यादा लोग एकत्रित हो गये। ग्रामीणों ने बताया कि पहले हम कोटा निवासियों को डाला फीडर से सप्लाई बहाल करायी जाती थी। लेकिन कुछ ख़राबी के बाद कुछ दिनों के लिए परासपानी स्थित जावरीडाँड़ फीडर से संचालित कर दिया गया। ऐसे इस फीडर से आये दिन समस्यायों को लेकर ग्रामीण कभी डाला में चक्कर काटते है तो कभी परासपानी में । दोनों जगह के जेई एक दूसरे पर ताल कर अपना रास्ता निकाल लेते है। जबकि आज शुक्रवार को ग्रामीणों को जेई रामलाल ने स्वयं बुलाया था। परन्तु वाह उपस्थित नही हुए। ऐसे में ग्रामीणों से जब बात किया तो अगले दिन मिलने को बोलते हुए रास्ता निकाल दिए। ग्रामीणों ने बिद्युत वीतरण खंड दुतीय (पिपरी) स्थित अधिशाषि अभियन्ता से बात किया तो उन्होंने अपने को छूट्टी पर है बताते हुई किनारा कस लिया । परेशान ग्रामीणों ने कई बार पिपरी में अधिशाषि अभियन्ता से लेकर उपरोक्त को निर्देशित किया परन्तु सुनवाई न होने से त्रस्त ग्रामीणों ने आंदोलन के बात कही। ग्रामीणों का कहना है कि हमारे गांव की सप्लाई डाला फीडर से था उसे वहीं से बहाल कराया जाय। इस सम्बंध में जेई रामलाल ने बताया कि स्टीमेट बना कर ऊपर दिया जा चुका है। जब पास हो जाय कार्य कराया जाएगा। आखिर कब तक ग्रामीण इंतजार की चक्की में पिस्टे रहेंगे।

साले ने बांस से जीजा को मारा, अस्पताल में मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। कछवां थाना क्षेत्र के धुन्नूपुर गांव में मंगलवार को विवाद के दौरान साले ने जीजा को बांस से हमला कर घायल कर दिया। घायल जीजा को उपचार के लिए ट्रामा सेंटर वाराणसी ले जाया गया। जहां बृहस्पतिवार की देर रात को उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने साला समेत तीन पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया।कछवां थाना क्षेत्र के धुन्नूपुर निवासी राधेश्याम बिंद ने अपने पुत्र बरखू बिंद (24) की शादी दो माह पहले नौ मई को वाराणसी के बाबतपुर निवासी दीपचंद के पुत्री रिंकी से किया था। 11 जुलाई की को बरखू बिंद और रिंकी में किसी बात को लेकर विवाद हुआ। रिंकी ने अपने मायके फोन कर पिटाई किए जाने की बात बता दी। जिसके बाद उसके माता-पिता और भाई धन्नूपुर गांव उसके ससुराल पहुंचे। सास-ससुर बात कर मामले को सुलझा रहे थे कि आक्रोशित साले कमलेश ने जीजा बरखू पर बांस के खूंटा से सिर पर मार दिया। परिजनों ने थाने में तहरीर देकर घायल बरखू को उपचार के लिए लेकर अस्पताल गए। बृहस्पतिवार की रात को बरखू की उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर आए। सूचना पर पहुंची कछवां पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में थानाध्यक्ष राम स्वरूप वर्मा ने हमला करने वाले साले कमलेश, सास मीरा और ससुर दीपचंद के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसपी सिटी श्रीकांत प्रजापति ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदाम दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

मिर्जापुर में देश के विभिन्न प्रदेशों में यमुना समेत तमाम नदियां ऊफ़ान पर हैं

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर।। जबकि जिले में गंगा का जलस्तर 0.84 सेमी प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा है। जिला मुख्यालय पर खतरे का निशान 76.724 पर दर्ज हैं, जबकि गंगा अभी करीब 10 मीटर नीचे 66.48 मीटर पर धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। यमुना का पानी प्रयागराज में गंगा नदी में समाहित होने के बाद जल स्तर का बढ़ना तय माना जा रहा है।

मिर्जापुर के अदलहाट थाना क्षेत्र के डेहरी गांव में शुक्रवार की सुबह युवक का शव मिला था

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला सोनभद्र। पुलिस ने इस मौत की गुत्थी सुलझा दी है। पेशे से राज मिस्त्री हरिश्चंद्र विश्वकर्मा की हत्या उसकी ही पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर कराया था। इस मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके दो साथियों को पकड़ा है। उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त पिस्टल तमंचा और बाइक बरामद किया गया है। हत्याकांड का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को एसपी ने 15 हजार का इनाम घोषित की है।

अवैध शस्त्र सहित अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक श्री घुले सुशील चंद्रभान द्वारा जनपद में सघन चेकिंग एवम् अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। उक्त दिये गये निर्देश के क्रम में क्षेत्राधिकारी मिश्रित के कुशल नेतृत्व में थाना संदना पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान अभियुक्त छोटू उर्फ यदुनाथ पुत्र मूलचन्द्र निवासी ग्राम समसापुर मढ़िया थाना संदना जनपद सीतापुर को 01अदद तंमचा मय 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। बरामदगी के सम्बन्ध में मु0अ0सं0 423/23 धारा 25(1-) आर्म्स एक्ट थाना संदना सीतापुर पंजीकृत कर अभियुक्त छोटू उपरोक्त का चालान मा0 न्यायालय किया गया है ।

सेवा निवृत्त हेड कांस्टेबल की इलाज के दौरान मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

ड्रमंडगंज। हलिया थाना क्षेत्र के खोदाईपुर गांव निवासी सेवानिवृत्त हेड कांस्टेबल देव कृष्ण दुबे की मंडलीय अस्पताल में शुक्रवार की भोर में इलाज के दौरान मौत हो गई। उनके मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात नौ बजे अचानक तबीयत खराब होने पर उनको मंडलीय चिकित्सालय में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। जहां शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। देव कृष्ण दूबे एक वर्ष पूर्व ही उत्तर प्रदेश पुलिस में हेड कांस्टेबल के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। मृतक को एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं। मृतक के पुत्र विनय दुबे ने बताया कि पिता को पहले से कोई गंभीर बीमारी नहीं थी। बृहस्पतिवार की रात को अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें मंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां उनका निधन हो गया।

मण्डलायुक्त अध्यक्षता में मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर।जनपद सोनभद्र में रेलवे लाइन के ऊपर बनाये गये पुल के क्षतिग्रस्त होने पर मण्डलायुक्त ने उपशा'' के अधिकारियों को लगायी कड़ी फटकार मीरजापुर 14 जुलाई 2023- मण्डलायुक्त डॉ0 मुथुकुमारस्वामी बी0 की अध्यक्षता में मण्डलायुक्त सभागार मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आहूत की गयी। बैठक में श्री राजेश कुमार वर्मा, सं0प0अ0(प्रवर्तन), मीरजापुर द्वारा सड़क सुरक्षा के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। मण्डल में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने हेतु यातायात विभाग, शिक्षा विभाग, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर संयुक्त प्रयास किये जाने हेतु मण्डलायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया। जिसके अन्तर्गत प्रवर्तन की कार्यवाही एवं जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किये जाए। नये चिन्हित ब्लैक स्पाट्स पर सुधारीकरण का कार्य अतिशीघ्र पूरा करने हेतु सम्बन्धित सड़क निर्माण एजेन्सियों को निर्देश दिये गये। स्वास्थ्य विभाग को यह निर्देशित किया गया कि दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र के नजदीक एम्बुलेन्स की मौजूदगी सुनिश्चित करायी जाए व एम्बुलेन्स के नम्बर व उनके चालकों के मो0 नम्बर सम्बन्धित अधिकारियों को उपलब्ध कराये जाए ताकि किसी भी दुर्घटना के स्थिति में गोल्डेन आवर के अन्तर्गत घायल व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाया जा सके। जनपद सोनभद्र में रेलवे लाइन के ऊपर बनाये गये पुल के क्षतिग्रस्त होने पर ''उपशा'' के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगायी गयी व पुल के क्षतिग्रस्त होने के तकनीकी कारण की जाँच हेतु त्रिस्तरीय जाँच समिति के गठन किये जाने का निर्देश मण्डलायुक्त द्वारा दिया गया। विभिन्न सड़क निर्माण एजेन्सियों को राष्ट्रीय राजमार्ग एवं राज्य राजमार्ग पर अनावश्यक ''कट'' को बन्द कराये जाने व यथा स्थान ''साइनेज'' लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उपशा के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि टोल प्लाजा से होकर गुजरने वाली ओवरलोड माल वाहनों की सूची परिवहन विभाग को नियमित रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। सभी शिक्षण संस्थानों में छात्रों के मध्य यातायात जागरूकता हेतु दैनिक रूप से कार्यक्रम आयोजित करने हेतु शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित होर्डिंग/बैनर लगवायें जाए मण्डल में 17 जुलाई से 31 जुलाई तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा शासन के निर्देशानुसार प्रभावशाली तरीके से मनाये जाने हेतु सभी सम्बन्धित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर सड़क सुरक्षा पखवाड़ा को व्यापक रूप से आयोजित कराएं तथा जन मानस में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाएं। हेलमेट/सीटबेल्ट न लगाने वाले, रांग साइड ड्राइविंग करने वाले, ड्रंकेन ड्राइविंग करने वाले एवं मोबाइल फोन का प्रयोग कर ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध संयुक्त अभियान चलाकर कार्यवाही की जाए। बैठक में उप पुलिस महानिरीक्षक श्री आर0 पी0 सिंह, श्री संजय कुमार तिवारी संभागीय परिवहन अधिकारी, श्री राजेश कुमार वर्मा सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), सुश्री शेषवाला वर्मा ए0डी0(बेसिक), श्री राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ए0डी0 (स्वास्थ्य), श्री एस0पी0 सिंह ए0आर0टी0ओ0 (प्रवर्तन) प्रथम, मीरजापुर श्री विजय प्रकाश सिंह ए0आर0टी0ओ0 (प्रवर्तन) द्वितीय, मीरजापुर श्री राजेश्वर यादव ए0आर0टी0ओ0 (प्रवर्तन) द्वितीय, सोनभद्र, डॉ0 ए0के0 सिंह अध्यक्ष आई0एम0ए0, श्री शैलेन्द्र कुमार सेठ ए0आर0एम0 रोडवेज, श्री अजय सिंह यादव सहायक अभियन्ता (उपशा), श्री शैलेष कुमार दुबे अध्यक्ष यू0पी0 मोटर ट्रान्सपोर्ट एसोसिएशन आदि लोग उपस्थित थे।

ग्राम चौपाल में कुल प्राप्त 110 शिकायतों का मौके पर ही उपस्थित अधिकारियों के द्वारा किया गया निस्तारित

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर। 14 जुलाई 2023- आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0 लखनऊ के निर्देश के अनुपालन में जनपद के 05 विधान सभाओं के कुल 12 विकास खण्डों के 24 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन सम्पन्न हुआ। विधान सभा क्षेत्र मझवां के विकास खण्ड पहाड़ी में ग्राम पंचायत चौहानपट्टी व नान्हूपुर विकास खण्ड- मझवां में बधवां व दुनाई, विकास खण्ड- सीटी में ग्राम पंचायत बरकछाकलां व छीतपुर विधान सभा क्षेत्र नगर के विकास खण्ड- कोन के ग्राम पंचायत मझिगवां व मल्लेपुर विधान सभा क्षेत्र छानबे के विकास खण्ड- छानबे में ग्राम पंचायत धौरहरा व बौडई, विकास खण्ड- लालगंज में ग्राम पंचायत पचोखर व समेरीकलां विकास खण्ड- हलिया में ग्राम पंचायत लायन व बरौधा विधान सभा क्षेत्र मड़िहान के विकास खण्ड पटेहरा कला के ग्राम पंचायत रामपुर व गोपलपुर, विकास खण्ड राजगढ़ के ग्राम पंचायत रामपुर ढबही व पटिहटा, विधान सभा क्षेत्र चुनार के विकास खण्ड- नरायनपुर में ग्राम पंचायत अघवार व बेगपुर विकास खण्ड- सीखड़ में ग्राम पंचायत धनैता व रामगढ़कला, विकास खण्ड जमालपुर के ग्राम पंचायत जगदीशपुर व ओइनवा ग्राम चौपाल आयोजित हुई। जनपद के 24 ग्राम पंचायतों में आयोजित ग्राम चौपाल की अध्यक्षता सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी द्वारा की गयी। आयोजित ग्राम चौपाल में मा0 प्रमुख क्षेत्र पंचायत / सदस्य जिला पंचायत / ग्राम प्रधान सहित अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगण के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित रहे। प्रत्येक ग्राम चौपाल में उपस्थित विकास विभाग के अतिरिक्त अन्य विभागों के खण्ड स्तरीय अधिकारी एवं ग्राम पंचायत स्तरीय अधिकारियों द्वारा मौके पर जनता की समस्याओं / शिकायतों को सुनकर तत्काल निराकरण कराने का प्रयास किया गया। ग्राम चौपाल में कुल 110 शिकायतें प्राप्त हुयी जिसमें से मौके पर ही 110 शिकायतों का निस्तारण उपस्थित अधिकारियों द्वारा की गयी तथा अवशेष शिकायतों को सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को प्रेषित कर एक सप्ताह के अन्दर प्रकरण का निस्तारण करने का निर्देश दिया गया। विकास खण्डों में आयोजित ग्राम चौपाल में उपस्थित अधिकारियों एवं मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा प्राथमिक विद्यालय, आवास, पंचायत भवन, इण्टर लाकिंग एवं नाली खड़ंजा आदि कार्यों का निरीक्षण किया गया। ग्राम पंचायतों में मा0 जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में ग्राम चौपाल का आयोजन सम्पन्न हुआ ।

जनपद में 8878761 पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित वृक्षारोपण हेतु विभागो को किया गया लक्ष्य आवंटन

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर।14 जुलाई 2023- वर्षा काल के दौरान वृक्षारोपण अभियान के तहत वृक्षारोपण हेतु शासन द्वारा जनपद में 8875761 पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इसके लिये शासन स्तर से ही कुल 26 विभागो को लक्ष्य आवंटित किया गया है। वृक्षारोपण लक्ष्य की प्राप्ति के लिये आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के निर्देश में मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस के द्वारा वन विभाग सहित सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर वृक्षारोपण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागो को निर्देशित करते हुये कहा कि वृक्षारोपण कराने के लिये चिहिन्त स्थानों पर पूर्व से गढ्ढा आदि खोदकर तैयारिया पूर्ण कर ली जाय। उन्होने कहा कि इस कार्य में सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं के अलावा अन्य स्वंय सेवी संस्थाओं नेहरू युवा केन्द्र, युवक मंगल दल आदि के भी सहयोग लिया जाय। उन्होने कहा कि 22 जुलाई 2023 व 15 अगस्त 2023 को निर्धारित तिथियों की तैयारियां पहले से पूर्ण करा ली जाय तथा वन विभाग द्वारा विभागवार चिहिन्त नर्सरी से पौध समय से उठान कर ली जाय। उन्होने कहा कि रोपित पौध/पौध स्थल की सुरक्षा एवं जियो टैगिंग की भी व्यवस्था तत्काल कराकर समय से किया जाय। प्रभायगी वनाधिकारी ने बताया कि वृक्षारोपण अभियान में सहयोग प्रदान करने हेतु स्वंय प्रभागीय वनाधिकारी सहित सभी उप प्रभागीय वनाधिकारियों को लगाया गया है जिनके मोबाइल नम्बर सभी सम्बन्धित अधिकारियों को प्रेषित किया गया है उनके सहयोग लिये जा सकते हैं। उन्होने कहा कि प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय मीरजापुर में कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया हैं। जिसमें व्यैतिक्य सहायक मदन मोहन शिरोही मोबाइल नं.-8299308110, मनोज कुमार त्रिपाठी लेखाप्रभारी मो0नं0-9651754220, ऋित्वक राज सिन्हा जे0आर0एफ0 मो0नं0-8878556141 एवं अफजाल अहमद कम्प्यूटर आपरेटर मो0नं0-9889331400 को लगाया गया हैं। उन्होने यह भी बताया कि प्रत्येक नगर पालिका क्षेत्र में एक हेक्टेयर भूमि पर लगभग 400 पौधे रोपित करते हुये नन्दन वन तथा प्रत्येक ग्राम में एक हजार पौधे रोपित आयुष वन बनाये जायेंगे।

राबर्ट्सगंज मंडी जा रहे दो युवकों की बाइक ट्रक से जा भिड़ी, एक की मौके पर ही मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। गाजीपुर जिले के मोफतीपूरा गांव निवासी गयासुद्दीन (30) पुत्र साहिब अपने साथी मुहज्जम (28) पुत्र मुहम्मद खालिद के साथ सोनभद्र के जिले के राबर्ट्सगंज मंडी में सब्जी का दाम पता करने के लिए जा रहे थे। मिर्जापुर में अहरौरा थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर मुजडीह मदरसा के पास बाइक सवार ट्रक में पीछे से जा भिड़े। हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। दूसरा गम्भीर रूप से घायल हो गया। गाजीपुर जिले के मोफतीपूरा गांव निवासी गयासुद्दीन (30) पुत्र साहिब अपने साथी मुहज्जम (28) पुत्र मुहम्मद खालिद के साथ सोनभद्र के जिले के राबर्ट्सगंज मंडी में सब्जी का दाम पता करने के लिए जा रहे थे। बाइक सवार अहरौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर मुजडीह मदरसा के पास पहुंचे थे कि बाइक अनियंत्रित होकर आगे चल रही ट्रक में जा भिड़ी। हादसे में बाइक चला रहे गयासुद्दीन की मौके पर मौत हो गई । गंभीर रूप से घायल मुहर्रम को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया । मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दिया।

कचहरी परिसर से अधिवक्ता के चेंबर का पंखा चोरी

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर। मिर्जापुर एसपी ऑफिस के पीछे अधिवक्ता के चेंबर से पंखा चोरी हो गया यह घटना कई बार घटित हो चुका है । चोरों का हौसला बुलंद है निकट भविष्य में इस तरह की घटना पुनः दोहरायी जा सकती है । अधिवक्ता चेंबर के आसपास हीरोइन व गांजा का नशा करने वाले नशेड़ी 5:00 बजे के बाद घूमते नजर आते हैं । इस पर प्रशासन के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है । इस अप्रिय घटना से सारे अधिवक्ता आक्रोशित हैं । एसपी कार्यालय के पीछे व जिला सहकारी बैंक के बगल में प्रशासन के नाक के नीचे हीरोइन का कारोबार खुलेआम हो रहा है । जनपद के सारे हीरोइन बाजो का जमावड़ा परिसर में होता है । जिसकी जानकारी पुलिस प्रशासन को भी है । नाजिर साहब के कई बार शिकायत करने के बाद भी आज तक कोई कानूनी कार्यवाही नहीं की गई है ।

आज मिलेगी नई महिला चैंपियन,मार्केटा वोंड्रोसोवा और ओंस ज्ब्यूर के बीच होगा फाइनल मुकाबला

लंदन। ट्यूनिशिया की ओंस ज्ब्यूर और गैर वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य की मार्केटा वोंड्रोसोवा के बीच शनिवार को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन के महिला सिंगल्स वर्ग का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने अपने करियर में अब तक कभी ग्रैंडस्लैम ट्राफी अपने नाम नहीं की है। ऐसे में विंबलडन को महिलाओं में नई चैंपियन मिलना तय है। वोंड्रोसोवा ने जहां सेमीफाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को मात दी, वहीं ज्ब्यूर ने अरिना सबालेंका को हराकर लगातार दूसरे वर्ष विंबलडन के फाइनल में प्रवेश किया। ज्ब्यूर पिछले साल भी इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने में सफल रही थीं, लेकिन एलिना रिबाकिना के हाथों उन्हें हार मिली थी। वोंड्रोसोवा पहले ही विंबलडन के फाइनल में पहुंचने वाली ओपन एरा की पहली महिला खिलाड़ी बनकर इतिहास रच चुकी हैं। विश्व रैंकिंग में 42वें स्थान पर मौजूद वोंड्रोसोवा विंबलडन के फाइनल में पहुंचने वाली चेक गणराज्य की चौथी महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले जाना नोवोत्ना, पेट्रा क्वितोवा और कैरोलिना प्लिसकोवा ऐसा कर चुकी हैं। ज्ब्यूर और वोंड्रोसोवा अब तक कभी भी करियर में ग्रैंडस्लैम नहीं जीत सकी हैं। ज्ब्यूर जहां अब तक तीन बार फाइनल में पहुंची हैं, वहीं वोंड्रोसोवा दूसरी बार किसी ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंची हैं। ज्ब्यूर को पिछले वर्ष के अलावा 2022 यूएस ओपन के फाइनल में इगा स्वियातेक से हार मिली थी, जबकि वोंड्रोसोवा को 2019 में फ्रेंच ओपन के फाइनल में एश्ले बार्टी ने हराया था। इन दोनों ही खिलाड़ियों का फाइनल में अब तक रिकार्ड बेहतर नहीं रहा है।

अंतिम मैच जोकोविक से होगा अलकराज का मुकाबला, 35वीं बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में मारी एंट्री

लंदन। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविक ने शुक्रवार को इटली के जानिक सिनर को 6-3, 6-4, 7-6(4) से हराकर लगातार पांचवीं बार वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन के फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही वह 35वीं बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। अब रविवार को होने वाले खिताबी मैच में जोकोविक का सामना विश्व के नंबर एक खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अलकराज से होगा। अलकराज एक अन्य सेमीफाइनल में डेनिल मेदवेदेव को लगातार सेटों में 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे। 20 वर्षीय अलकराज विंबलडन के खिताबी मैच में पहुंचने वाले ओपन युग के चौथे युवा खिलाड़ी हैं। अलकराज ने इस मैच में शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी और छह बार मेदवेदेव की सर्विस तोड़ी। वहीं, अपने 24वें ग्रैंडस्लैम की तलाश में जुटे जोकोविक अगर रविवार को होने वाला फाइनल जीतने में सफल रहते हैं तो वह मार्गेट कोर्ट की बराबरी कर लेंगे, जिनके नाम इतने ही ग्रैंडस्लैम हैं।मौजूदा समय में पुरुषों में सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने वाले जोकोविक विंबलडन में लगातार चार बार के चैंपियन हैं। उन्होंने 2018, 2019, 2021 और 2022 में यहां जीत दर्ज की थी, जबकि 2020 में कोविड-19 के कारण इस टूर्नामेंट का आयोजन नहीं किया गया था। जोकोविक अगर लगातार पांचवीं बार विंबलडन की ट्रॉफी उठाने में कामयाब रहे तो वह स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर की बराबरी कर लेंगे, जिन्होंने यहां आठ ट्राफी जीती हैं। जोकोविक फेडरर और केन रोसवेल के बाद ओपन युग के तीसरे खिलाड़ी हैं जो 36 वर्ष की उम्र में विंबलडन के पुरुष सिंगल्स वर्ग के फाइनल में पहुंचे हैं।21 वर्षीय सिनर जोकोविक को रोकने में असफल रहे। जोकोविक ने जहां पहले दो सेट आसानी से अपने नाम किए, वहीं सिनर ने तीसरे सेट में सर्बियाई खिलाड़ी के सामने चुनौती पेश की। जोकोविक इस सेट में एक समय 5-6 से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने अगला गेम अपने नाम किया और सेट का नतीजा टाई ब्रेकर के जरिये निकला। मेदवेदेव को एकतरफा अंदाज में मात देने वाले अलकराज इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले स्पेन के तीसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 1966 के चैंपियन मैनुअल सांताना और यहां दो बार के विजेता राफेल नडाल ऐसा कर चुके हैं।

कप्तान रोहित की दरियादिल जीत लेगी आपका दिल, ईशान किशन के एक रन की खातिर किया लंबा इंतजार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने डोमिनिका में सीरीज के पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को एक पारी और 141 रन से हराया। भारत ने इस शानदार जीत से नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की शुरुआत की। तीसरा दिन पूरी तरह से भारतीय स्पिनर अश्विन के नाम रहा और उनकी गेंदबाजी के जादू के चलते कोई कैरेवियाई बल्लेबाज क्रीज पर टिक नहीं सका

अश्विन ने दूसरी पारी में 7 विकेट अपने नाम किए, जिसके चलते वेस्टइंडीज की टीम 130 रन पर पवेलियन लौट गई। भारत ने तीसरे दिन के पहले सत्र के दौरान 5 विकेट गंवाकर 421 रन पर अपनी पारी घोषित की। ऐसे में पारी घोषित करते हुए कप्तान रोहित शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह ईशान किशन को कुछ इशारा करते हुए नजर आ रहे हैं इसमें वह विकेटकीपर ईशान किशन के प्रति गुस्सा करते हुए नजर आ रहे हैं। ईशान ने 19 गेंदें खेली, लेकिन एक भी रन नहीं लिया। इस बीत रोहित ने मैच के बाद बात करते हुए अपने गुस्से की वजह का खुलासा किया। रोहित ने कहा कि ठमैं बस उन्हें बता रहा था कि घोषणा करने से पहले हमारे पास एक या दो ओवर का समय है। मैं चाहता था कि ईशान निशान से ऑफ स्ट्राइक से हट जाए, मैं उससे कहना चाहता था कि वह स्ट्राइक पर आए और रन ले और फिर हमें पारी की घोषणा करनी थी। वह हमेशा बल्लेबाजी करने के लिए उत्सुक रहते थे, यह उनके लिए निराशाजनक हो सकता था। रोहित ने ईशान के लिए एक एनिमेटेड इशारा किया और बल्लेबाज से आगे बढ़ने का आग्रह किया। रोहित के इशारे के बाद, इशान ने तुरंत अगली गेंद पर एक रन लिया और भारत के कप्तान ने अगली गेंद से पहले पारी की घोषणा की। पारी घोषित कर दी। भारतीय कप्तान ने गेंदबाजों के प्रयास की सराहना की। उन्होंने मैच में अपनी गेंदबाजी का जादू बिखेरने वाले नंबर एक टेस्ट गेंदबाज अश्विन की तारीफ की।

एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का , बाधा दौड़ में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट

बैंकाक। भारत ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दूसरे दिन गुरुवार को तीन स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीते, जिसमें ज्योति याराजी पर लगे 10 स्वर्ण पदकों में से तीन स्वर्ण जीते। इसके अलावा ऐश्वर्या मिश्रा (53.07 सेकेंड) ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में जबकि तेजस्विन शंकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला स्वर्ण पदक भी है। उन्होंने फाइनल में 13.09 सेकेंड का समय लिया। ज्योति ने कहा, 'मैं बहुत अच्छी स्थिति में थी और मुझे लग रहा था कि आज मेरा दिन होगा और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहूंगी। लेकिन अचानक बारिश आ गई और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ समय नहीं निकाल पाई।' पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में अजय ने बेहतरीन प्रदर्शन किया तथा तीन मिनट 41.51 सेकेंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। अबूबकर ने 16.92 मीटर छलांग लगाकर इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

का महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ और अजय कुमार सरोज का पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ का खिताब भी शामिल है। ज्योति एशियाई एथलेटिक्स की इस स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता अब्दुल्ला अबूबकर ने पुरुषों की त्रिकूद में भारत को दिन का तीसरा स्वर्ण पदक दिलाया। भारतीय खिलाड़ियों ने गुरुवार को प्रभावशाली प्रदर्शन किया तथा दांव (7527 अंक) ने पुरुषों की डेकाथलान में कांस्य पदक जीता। ऐश्वर्या और तेजस्विन दोनों का यह इन स्पर्धाओं में सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला पदक भी है। वे पहली बार इन स्पर्धाओं में किसी सीनियर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं तेजस्विन ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में ऊंची कूद में कांस्य पदक जीता था, लेकिन इसके बाद उन्होंने पिछले साल डेकाथलान को अपना लिया था। ज्योति का यह सीनियर

निशानेबाजों के आपसी मतभेद दूर करने के लिए एनआरएआई को बढ़ानी होगी सक्रियता

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पिछले दो ओलंपिक में निशानेबाजी में कोई पदक नहीं जीतने के बावजूद भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरआई) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव का कहना है कि इस बार निशानेबाजी पदक प्राप्त करने वाले शीर्ष खेलों में शामिल होगा। अध्यक्ष रनिंदर सिंह के हटने के बाद संघ का काम देख रहे बीजेडी के पूर्व सांसद कलिकेश नारायण सिंह देव से जागरण संवाददाता अभिषेक त्रिपाठी ने विशेष बातचीत की। रिनंदर के हटने के बाद आपने अप्रैल में एनआरआई की जिम्मेदारी संभाली है। इस वर्ष एशियाई खेल और अगले वर्ष ओलंपिक होने हैं। निशानेबाजी हर बार भारत के लिए महत्वपूर्ण स्पर्धा रही है। पिछली बार भी ओलंपिक के लिए सबसे बड़ा दल निशानेबाजों का ही था। ये अलग बात है कि हम पदक नहीं जीत पाए, लेकिन हर बार हमारे एथलीट अच्छा प्रदर्शन करते हैं और हम शीर्ष टीमों में रहते हैं। रनिंदर ने अपने 12 वर्ष के कार्यकाल में जमीनी स्तर पर काफी अच्छे काम किए हैं। हमारा हाई परफार्मेंस सेटअप बना हुआ है। इस बार हम एशियाई खेलों और ओलंपिक में फिर बड़ा दल भेजेंगे और पदक प्राप्त करने में निशानेबाजी शीर्ष खेलों में होगा। हम प्रत्येक खिलाड़ी के लिए व्यक्तिगत ट्रेनिंग और रेस्ट रिकवरी योजना बना रहे हैं। हाई परफार्मेंस टीम काफी बड़ी है। हमारी एक टीम अभी पेरिस जा रही है। जहां अगले साल ओ□लपिक स्पर्धा होनी है, उसी रेंज पर वे अभ्यास करेंगे। अगले तीन महीने हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। विश्व चैंपियनशिप में ओलिपिक का अधिकतर कोटा तय हो जाएगा। बाकी कोटा हमें एशियाई चैंपियनशिप में मिलेगा। इसके बाद एशियाई खेल होंगे। ये काफी अहम समय है। निशानेबाजों के कैंप लगे हुए हैं। विदेशी और भारतीय कोच उनके साथ काम कर रहे हैं। प्रत्येक की चोट व प्रदर्शन पर नजर रखी जा रही है। हमारे निशानेबाजों की प्रतिभा बहुत ही अद्भुत है और मैं समझता हूं कि विश्व में भारत एक ऐसा देश है जहां विशेष तौर पर निशानेबाजी में नैसर्गिक प्रतिभा उभरती है। पिछले दो ओलंपिक में हमें जो विफलता मिली है, उसका बड़ा कारण एथलीटों को सही समय पर मानसिक और भावनात्मक सहयोग नहीं मिलना था। इस बार हमने स्पो?र्ट्स साइंस और डेटा साइंस टीम का काफी सहयोग लिया है। देश-विदेश के लोग इस टीम में है। हमारा फोकस यही है कि हमारे एथलीट देश के साथ साथ विदेश में भी अच्छा करें। विशेषकर फाइनल में पदक कैसे जीतें, इस पर हमने काफी ध्यान दिया है। मनु और जसपाल के बीच गुरु और शिष्या का पुराना रिश्ता है। बीच में जो अनबन हुई थी, वो सब जानते हैं। आज के समय में मनु और जसपाल फिर साथ काम करना चाहते हैं। संघ की ओर से उन्हें पूरा समर्थन मिलेगा। निशानेबाजी व्यक्तिगत खेल के साथ-साथ टीम खेल भी है। जिससे भी एथलीट को मानसिक समर्थन मिलेगा, हम वो करने को तैयार हैं। आज के दिन में दो लोग काम करना चाहते हैं एक साथ, तो हमारा उन्हें पूरा समर्थन है। - इस बार भोपाल में हुए विश्व कप में भी हम एक स्वर्ण ही जीत सके और चीन ने आठ पदक जीते थे। देखिए, भोपाल में भारत का प्रदर्शन खराब नहीं था, चीन का प्रदर्शन काफी अच्छा था। हमने जो भी पदक हारे थे वह भी .1 और .01 के मामूली अंतर से हारे थे। लेकिन हमको मानना पड़ेगा कि ओ□लपिक में अगर स्वर्ण पदक जीतना है तो चीन को हराना पड़ेगा। भोपाल में हमारे एथलीटों ने दो रिकार्ड तोड़े थे, लेकिन ओ□लपिक के लिए हमें काफी काम करने की जरूरत है। पेरिस ओलंपिक के लिए आप लोग अभी से रेकी कर रहे हैं? 2024 ओलंपिक में जो निशानेबाजी के स्थल हैं, वह पेरिस से तीन चार घंटे की दूरी पर हैं। तो हमें ये जानना जरूरी है कि वहां रहने की सुविधा कैसी होगी, खाने की सुविधा कैसी होगी। हम अतिरिक्त सपोर्ट स्टाफ ले जाएंगे, उनका इंतजाम करना होगा। उसमें फिजियोथेरेपिस्ट, डाक्टर, न्यूट्रीशियन, साइकोलोजिस्ट के लिए हमें प्रबंध करने होंगे। ऐसा माहौल बनाना होगा, चाहे वो ओलंपिक विलेज में हो या उससे बाहर, एथलीटों को मानसिक, भावनात्मक, तकनीकी और फिजिकली पूरा सहयोग मिल सके।हमारे ज्यादातर निशानेबाज गांव से आते हैं, ये हमारा फर्ज बनता है कि हम उन्हें ऐसा खाना उपलब्ध कराएं, जिससे उन्हें कोई दिक्कत नहीं हो। ये निशानेबाजी में काफी अहम है। हम सोच रहे हैं या तो हम भारत से कुक ले जाएंगे या पेरिस में ही भारतीय खाना बनाने वाले का इंतजाम करेंगे ताकि हमारे निशानेबाजों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। मेरा ये मानना है कि निशानेबाजी में नवीनतम तकनीक लाने की जरूरत है। कुछ हद तक र□नदर ने अपने समय में ये काम शुरू किया था और मुझे इस काम को बढ़ाना है। निशानेबाजी में मानसिक और भावनात्मक समर्थन की जरूरत होती है, विशेषतौर पर फाइनल में स्वर्ण प्राप्त करने के लिए है। हमारा एक स्पो?र्ट्स साइंस प्रोग्राम बना हुआ है। मेरी इच्छा है कि उसको बढ़ाने के लिए हमारे निशानेबाजों के साथ मिलकर स्पो?र्ट्स साइंस का ढांचा सुधारें ताकि निशानेबाजों के लिए इको सिस्टम बन सके। रनिंदर निशानेबाजी के लिए बहुत जुनूनी हैं। मैंने उनसे काफी सीखा है। मुझे जो कमी लगेगी, मैं उसे सुधारने की पूरी कोशिश करूंगा।मेरे खयाल से एनआइएआइ को खुद निगरानी सिस्टम में ज्यादा सक्रियता बढ़ाने की जरूरत है।

राशीफल

मेष-:आप आने वाले दिनों की प्लानिंग करेंगे। आज मेहनत आपको पॉज़िटिव रिज़ल्टस दिलाएगी। बिजनेस में अच्छा धन लाभ होगा। किस्मत आपके साथ रहेगी।

वृष-:इस सप्ताह अपने निर्णयों पर दृढ़ रहें और दूसरों के विचारों से प्रभावित ना हों। अच्छा होगा कि आप अपने ही विचारों को सुने। किसी भी व्यक्ति को अपने ऊपर उसके विचार थोपने ना दें।

मिथुन-:किसी ऊँचे और ख़ास इंसान से मिलते समय घबराएँ नहीं और आत्मविश्वास बनाए रखें। यह सेहत के लिए उतना ही ज़रूरी है, जितना काम-धंधे के लिए पैसा।

कर्क-:इस सप्ताह जीवनसाथी के साथ विदेश यात्रा का प्लान बना सकते हैं। इस राशि के संगीतकार या वेब डिजाइनर्स के करियर में आज राजयोग की स्थिति बन रही है।

सिंह-:किसी विवाद से बचें। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजमर्रा की समस्याएं आसानी से सुलझ सकती हैं। महत्वपूर्ण फैसले लेना चाहते हैं, तो आज ले सकते हैं।

कन्या-:इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। काम जोश के साथ करेंगे।

तुला-:नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों की खरीददारी कर सकते हैं।

वृश्चिक-:इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें। किसी पुराने दोस्त से संपर्क हो सकता है।

धनु-:नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

मकर-:परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ-:मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा। शत्रुओं पर विजय मिलेगी।

मीन-:पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे। शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों में रुचि रहेगी।

विराट कोहली की इस अदा पर दिल दे बैठेंगे आप

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। विराट कोहली जब मैदान पर होते हैं, तो फुल माहौल बनाकर रखते हैं। विपक्षी बल्लेबाजों के साथ बातचीत और साथी प्लेयर्स संग मस्ती करते हुए किंग कोहली को अक्सर ही देखा जाता है। ऐसा ही नजारा भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन भी देखने को मिला। जहां विराट किसी छोटे बच्चे की तरह चेहरे पर मुस्कान बिखेरे ईशान किशन और शुभमन गिल के साथ तफरी काटते हुए नजर आए सोशल मीडिया पर विराट कोहली का एक वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है। वीडियो में विराट ईशान किशन और शुभमन गिल संग मस्ती करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, वीडियो में पूर्व भारतीय कप्तान किसी बच्चे की तरह हंसते हुए बाएं से दाएं की तरफ अपने सिर को बार-बार घुमाते हुए नजर आ रहे हैं। कोहली का यह बचपना देख ईशन और गिल भी खिलखिला कर हंसते हुए दिख रहे हैं। इसके साथ ही बीच मैदान पर विराट कोहली के डांस मूव्स का वीडियो भी काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में विराट कोहली बीच मैदान पर डांस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में पूर्व भारतीय कप्तान हाथों को हवा में लहराकर बेहतरीन डांस मूव्स करते हुए दिख रहे हैं। विराट इन स्टेप्स को करते हुए काफी कूल लग रहे हैं और अपने हर डांस मूव को एन्जॉय भी कर रहे हैं। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है, जब विराट बीच ग्राउंड पर इस तरह से झूमते हुए नजर आए हैं, इससे पहले भी विराट के डांस स्टेप्स के कई वीडियो वायरल हो चुके हैं। भारतीय टीम ने पहले टेस्ट मैच को एक पारी और 161 रन से अपने नाम किया। भारत ने पहली पारी में 5 विकेट खोकर 421 रन बनाने के बाद इनिंग को घोषित किया और कुल 271 रन की बढ़त हासिल की।

रुतुराज को टीम की कमान रिंकू-जितेश की खुली किस्मत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2023 के लिए शुक्रवार की रात बीसीसीआई ने भारतीय टीम का एलान कर दिया।

भारतीय सेलेक्टर्स ने सभी को चौंकाते हुए इस टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया की कमान रुतुराज गायकवाड़ के हाथों में सौंपी है। वहीं, आईपीएल 2023 में चमकने वाले कई युवा सितारों को भी टीम में शामिल किया गया है। आइए आपको बताते हैं इस टीम चयन से जुड़ी पांच बड़ी बात एशियन गेम्स 2023 के लिए रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाए जाने का फैसला यकीनन हर किसी के लिए काफी चौंकाने वाला रहा है। माना जा रहा था कि शिखर धवन को इस टूर्नामेंट के लिए टीम की कमान सौंपी जा सकती है। हालांकि, रुतुराज को उनके आईपीएल 2023 और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन को दोहरा इनाम दिया गया है।वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए रिंकू सिंह को नजरअंदाज किया गया था, लेकिन एशियन गेम्स 2023 के लिए रिंकू को बुलावा आया है। सिर्फ रिंकू ही नहीं, बल्कि आईपीएल में अपने प्रदर्शन से धमाल मचाने वाले जितेश शर्मा, तिलक वर्मा, राहुल त्रिपाठी, प्रभसिमसन सिंह, शिवम मावी, मुकेश कुमार जैसे प्लेयर्स को भी टीम में शामिल किया गया आईपीएल 2023 में अपने तूफानी बल्लेबाजी से जमकर महफिल लूटने वाले शिवम दुबे की लंबे समय बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। दुबे का प्रदर्शन चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए लाजवाब रहा था। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर भी टी-20 टीम में कमबैक करने में सफल हुए हैं।एशियन गेम्स 2023 के लिए माना जा रहा था कि शिखर धवन के हाथों में टीम की बागडोर सौंपी जाएगी। हालांकि, भारतीय सेलेक्टर्स ने धवन को टीम में शामिल तक नहीं किया है। धवन ने अपना आखिरी वनडे मैच साल 2022 में, तो लास्ट टी-20 मैच साल 2021 में खेला था।पिछले कुछ समय में भारतीय टीम की टी-20 टीम का लगातार हिस्सा रहे दीपक हुड्डा को एशियन गेम्स 2023 की मुख्य टीम में शामिल नहीं किया गया है।

टॉम क्रूज की फिल्म ने मचाई धूम, 3 दिन में कर लिया इतने करोड़ का कारोबार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर इंटरनेशनल स्टार टॉम क्रूज की 'मिशन इम्पॉसिबलः डेड रिकॉनिंग पार्ट वन' रिलीज हुई है। पहले दिन से कर रहा है। 2000 करोड़ के भारी भरकम बजट में बनी यह फिल्म विदेश में तो पसंद की ही जा रही है, साथ ही घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी कमाल का प्रदर्शन कर रही है। पहले दिन गया है। क्रिस्टोफर मक्यावर के निर्देशन में बनी 'मिशन इम्पॉसिबलः डेड रिकॉनिंग पार्ट वन' 2018 में रिलीज हुई 'मिशन इम्पॉसिबलः फॉलआउट' का सातवां पार्ट है।

फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार और साथ मिल रहा है। टॉम क्रूज का इंडिया में भी क्रेज है। उनकी अक्सर कोई भी फिल्म इंडिया में रिलीज होती है वह बेहतर प्रदर्शन ही करती है। एक्टर की हाल ही में मिशन इम्पॉसिबल डेड रिकॉनिंग पार्ट वन रिलीज हुई। पहले दिन से मूवी को काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म को इंडिया में रिलीज हुए अब तक तीन दिन बीत चुके हैं टॉम क्रूज की इंडिया में अच्छी संख्या में फैन फॉलोइंग है। इस बार रोमांचक चीजों से भरपूर उनकी फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल' का सातवां इंस्टॉलमेंट बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ बिजनेस 12.30 करोड़ और दूसरे दिन 9 करोड़ का बिजनेस करने वाली 'मिशन इम्पॉसिबलः डेड रिकॉनिंग पार्ट वन' घरेलू बॉक्स ऑफिस पर रॉक सॉलिड परफॉर्मेंस के साथ बनी हुई है। दिलचस्प बात है कि हॉलीवुड की यह फिल्म वीकडेज में भी अच्छी कमाई कर रही है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, टॉम क्रूज की इस फिल्म ने तीसरे दिन सिंगल डिजिट में कलेक्शन किया है। 'मिशन इम्पॉसिबलः डेड रिकॉनिंक पार्ट वन' ने अपने पहले शुक्रवार को टिकट काउंटर्स पर 9 करोड़ का कारोबार किया है। इस लिहाज से फिल्म का टोटल कलेक्शन 30.30 करोड़ हो फिल्म की अब तक की सीरीज में टॉम क्रूज एक से बढ़कर एक मुश्किलों का सामना करते आए हैं। इस बार उनकी लड़ाई एक अदृश्य चीज से है। इस बार उनका सामना दुष्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रॉग से होता है। इनसे ईथन यानी कि टॉम क्रूज को अपने हथियार बचाने हैं। पूरी फिल्म में दर्शकों को एक बार फिर टॉम क्रूज का एडवेंचरस और एक्शन भरा कमाल देखने को मिलेगा। टॉम क्रूज एक बार फिर से अपने जानलेवा स्टंट्स, एक्शन और ऐडवेंचर से दुनिया भर के लोगों को अपना फैन बनाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

'आशिकी' के अभिनेता को 2020 में आया था ब्रेन स्ट्रोक, सलमान खान ने भरा था अस्पताल का बिल

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। आशिकी' फिल्म से फेमस हुए राहुल रॉय ने अब एक

इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने खुलासा किया है कि सन 2020 में जब उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ था, तब सलमान खान ने उनके अस्पताल का बिल भरा था। राहुल रॉय ने सलमान खान पर बात की है। वहीं, उनकी बहन ने सलमान खान को 'हीरा' बताया है। अभिनेता को ब्रेन स्ट्रोक के बाद डेढ़ महीने तक अस्पताल में रहना पड़ा था। उन्हें इससे उबरने में भी समय लगा था। अब राहुल रॉय और उनकी बहन प्रियंका रॉय ने सलमान खान पर बात की है। वहीं, उन्होंने उन्होंने उनकी तुलना जेम से की है। 2020 में अभिनेता को फिल्म के सेट पर ब्रेन स्ट्रोक का अटैक आया था। वह उस समय एलएसीः लाइव द बैटल इन कारगिल की शूटिंग कर रहे थे। इसके बाद उन्हें वोकहार्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनके दिल और दिमाग की एंजियोग्राफी की गई। इसके बाद, उन्हें मुंबई के नानावटी अस्पताल में शिफ्ट किया गया। अब राहुल रॉय और उनकी बहन प्रियंका रॉय ने एक इंटरव्यू दिया है। उन्होंने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत की है। इस घटना को याद करते हुए वह कहती हैं उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म के निर्माता ने भी कुछ पैसे दिए लेकिन यह राहुल के पेंडिंग पैसे थे। इस बारे में बताते हुए प्रियंका रॉय कहती है।

गदर एक प्रेम कथा में सनी देओल ने उखाड़ा था हैंडपंप

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सनी देओल और अमीषा पटेल की जल्द फिल्म गदर 2 रिलीज

हो रही है। इस बीच, दोनों इस फिल्म का जमकर प्रचार कर रहे हैं। यह फिल्म गदर एक प्रेम कथा का सीक्वल है। फिल्म अपने जमाने में काफी सुपरहिट फिल्म थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ व्यापार किया था।गदर एक प्रेम कथा फिल्म का एक सीन काफी चर्चित है। इसमें सनी देओल हैंडपंप उखाड़ते नजर आते हैं। अब अभिनेता ने इस सीन पर विस्तार से चर्चा की है। उन्होंने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने इस बारे में बात की है। इस बारे में बताते हुए सनी देओल कहते है, गौरतलब है कि गदर एक प्रेम कथा 2001 में आई थी। इस फिल्म में सनी देओल अपनी प्रेमिका को वापस लेने पाकिस्तान जाते हैं। अब इस फिल्म का सिक्वल 11 अगस्त को रिलीज हो रहा है। इसमें वह एक बार फिर पाकिस्तान जाते नजर आ रहे हैं। सनी देओल और अमीषा पटेल दोनों अपनी फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। इस फिल्म को लेकर फैंस में भी काफी उत्साह है। अमीषा पटेल ने सनी देओल के साथ कई फिल्मों में काम किया है। फिल्म के गाने भी काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। हाल ही में दोनों ने द कपिल शर्मा शो में फिल्म का प्रमोशन किया था। दोनों साथ में डांस करते भी नजर आए थे। उनकी फिल्म के गाने वायरल हो गए है।

सुमोना चक्रवर्ती के होठों को लेकर की जा रही टिप्पणी बना शो के महिला विरोधी होने का कारण

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली।द कपिल शर्मा शो में सुमोना चक्रवर्ती भी नजर आती है। कई बार शो के होस्ट उनके होठों को लेकर फब्तियां कसते नजर आते

थे। इसे लेकर सुमोना चक्रवर्ती को काफी अपमानित किया जाता था। अब एक्ट्रेस में इस पर बात की है। कपिल शर्मा सुमोना चक्रवर्ती के होठों को लेकर काफी कमेंट करते थे। वह इससे इनसिक्योर हो जाती थी। हालांकि, अर्चना पूरन सिंह उनका समर्थन करती थी। सुमोना चक्रवर्ती ने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने जानकारी दी है कि शो में काम करते समय है, जब कपिल शर्मा उनके होठों को लेकर कमेंट करते थे। तब उन्हें बुरा लगता था। इसके अलावा, यह इतना खराब होता था कि लोगों को यह शो महिला विरोधी होने की भावना होने लगी थी। इस दौरान, अर्चना पूरन सिंह ने सुमोना चक्रवर्ती को संभाला। उन्होंने यह भी कहा कि इस दौरान कई लोगों ने शो को महिला विरोधी भी बताया था। द कपिल शर्मा शो में सुमोना चक्रवर्ती शो के होस्ट कपिल शर्मा की पत्नी की भूमिका में नजर आती है। शो में एक नया एडिशन कृष्णा अभिषेक के रूप में किया गया है। अर्चना पूरन सिंह शो की जज है। सुमोना ने अब अपने होठों को लेकर बात की है। उन्होंने कहा है कि उनके कमेंट के कारण उन्होंने लाल कलर की लिपस्टिक लगाने बचती है और वह काफी इनसिक्योर हो गई है। सुमोना चक्रवर्ती ने हैबिट कोच को एक इंटरव्यू दिया है।

लापतागंज में नजर आ चुके अभिनेता अरविंद कुमार का दिल का दौरा पड़ने से निधन, पैसे की तंगी से थे तनावग्रस्त

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। लापतागंज में नजर आ चुके अभिनेता अरविंद कुमार का दिल

का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। इस शो में उनके साथ काम करने वाले रोहिताश्व गौर का कहना है कि वह पिछले कुछ दिनों से तनाव में थे। उनकी चिंता पैसों को लेकर थी। अरविंद कुमार लापतागंज में 'चौरसिया' की भूमिका निभाते थे। उनका निधन मंगलवार 11 जुलाई को हुआ है।लापतागंज शो में चौरसिया की भूमिका निभाने वाले अरविंद कुमार का निधन हो गया है। वह पैसे की तंगी से जूझ रहे थे। उनके निधन की पुष्टि उनके मित्र रोहिताश्व गौर ने कर दी है। वहीं उन्होंने इस बात की भी जानकारी दी है कि कुछ लोग मिलकर अरविंद कुमार के परिवार की सहायता करने का प्रयास कर रहे है। उनके साथ काम करने वाले अभिनेता रोहिताश्व गौर ने अभिनेता के निधन की पुष्टि की है। उन्होंने इस बात की भी जानकारी दी कि अरविंद कुमार को दिल का दौरा तब पड़ा, जब वह शूटिंग के लिए सेट पर जा रहे थे। अरविंद कुमार के निधन की खबर उनकी पत्नी ने सोशल मीडिया पर शेयर कर दी है। इस पर रोहिताश्व गौर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि पिछले कुछ दिनों से अरविंद कुमार की वित्तीय हालत ठीक नहीं थी और वह इसे लेकर परेशान थे। अरविंद कुमार पर बातचीत करते हुए उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से कहा है, रोहिताश्व गौर ने यह भी कहा कि कुछ दोस्त मिलकर उनके परिवार की मदद करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके पहले, भाबी जी घर पर हैं शो में नजर आने वाले दीपेश भान के निधन पर सौम्या टंडन ने उनकी पत्नी की सहायता करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से पैसे जमा किए थे।

'बवाल' में नजर आने वाली जाह्नवी कपूर ने अब मां श्रीदेवी के निधन पर की बात

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। फिल्म बवाल में जाह्नवी कपूर और वरुण धवन नजर आने वाले हैं। हाल ही में, इस फिल्म का

ट्रेलर जारी किया गया है। वहीं, इसके गाने भी रिलीज किए जा रहे हैं। इस बीच, जाह्नवी कपूर और वरुण धवन अपनी आगामी फिल्म का प्रचार भी कर रहे हैं। अब एक्ट्रेस ने पिंकविला को एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने अपनी मां श्रीदेवी के बारे में भी बात की है। गौरतलब है कि श्रीदेवी का निधन 2018 में हो गया था। जाह्नवी कपूर ने दिवंगत मां को याद करते हुए कहा है कि उनकी मां के निधन से वह काफी दुखी है और यह उनके जीवन की अब तक की सबसे बड़ी लड़ाई है। उन्होंने फिल्म धड़क से डेब्यू भी किया था। इस फिल्म में उनके अलावा ईशान खट्टर की भी अहम भूमिका थी। इस फिल्म की रिलीज से पहले ही श्रीदेवी का निधन हो गया था। इस बीच, जाह्नवी कपूर ने कई फिल्मों में काम किया है। इनमें मिली और गुड लक जेरी जैसी फिल्में शामिल है। जाह्नवी कपूर ने कहा है कि वह अभी भी मां श्रीदेवी का मिस करती है और उनके जीवन में मां की कमी अभी भी खलती है। इस बारे में बताते हुए उन्होंने कहा है, श्रीदेवी के निधन की पुण्यतिथि पर जाह्नवी कपूर ने मां के लिए एक भावुक नोट भी लिखा था। इसके अलावा, उन्होंने एक तस्वीर भी शेयर की थी। श्रीदेवी अपने जमाने की फेमस एक्ट्रेस थी। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया था। उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा व्यवसाय करती थी। उन्होंने चांदनी, मिस्टर इंडिया, जुदाई और सदमा जैसी फिल्मों में काम किया था। उनकी आखिरी फिल्म मॉम थी जो कि उनकी 300वीं फिल्म थी। इस फिल्म में किए गए अभिनय के लिए उन्हें मरणोपरांत राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

महेश बाबू की लाडली ने 11 साल की उम्र में किया विज्ञापन, अमाउंट सुन पैरों तले खिसकेगी जमीन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली।साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की 11 साल की लाडली बेटी सितारा ने हाल ही में अपने माता-पिता का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया। हाल ही में महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की बेटी की फोटोज टाइम्स स्क्वायर पर नजर आई थीं। दरअसल छोटी सी उम्र में सितारा ने एक ज्वेलरी ब्रांड के लिए फोटोशूट करवाया था। वह इतनी कम उम्र में न्यूयॉर्क के टाइम स्क्वायर छाने वाली पहली स्टार किड् हैं। अब हालिया रिपोर्ट्स की मानें तो, ज्वेलरी ब्रांड के लिए सितारा ने छोटी सी उम्र में इतना ज्यादा अमाउंट चार्ज किया, जिसे सुनकर फैंस भी पूरी तरह से हैरान रह गए। 11 साल की उम्र में सितारा ने एक एड के लिए इतनी ली फीस डीएनए की रिपोर्ट्स के मुताबिक 11 साल की सितारा को ब्रांड फोटोशूट के लिए एक करोड़ रुपए का पहला चेक मिला है। 11 साल की लड़की को मिली इतनी मोटी फीस

सुर्खियों में है। हालांकि, ब्रांड या फिर महेश बाबू की तरफ से इस पर कोई पुष्टि नहीं की गई है।आपको बता दें कि सितारा एक ज्वेलर कंपनी का नया फेस बनी हैं, इस ऐड शूट को टाइम स्क्वायर पर शेयर किया गया था। जब सितारा को एड टाइम स्क्वायर पर आया था, तो सितारा ने इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा था, 'टाइम स्क्वायर, ओह माय गॉड, मेरा दिल चिल्लाने, रोने का कर रहा है, क्योंकि इससे ज्यादा खुशी का पल कोई हो ही नहीं सकता। पीएमजे ज्वेल्स ये आपके बिना संभव नहीं थाठ।कम उम्र में अपनी बेटी की इस बड़ी सफलता को देखते हुए एक्ट्रेस नम्रता शिरोड़कर और सुपरस्टार महेश बाबू ने भी अपनी खुशी व्यक्त की थी। नम्रता ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, ठदेखो टाइम स्क्वायर पर किसने अपना डेब्यू किया है। शब्दों में मैं इस खुशी को व्यक्त नहीं कर सकती और मुझे तुम पर बहुत गर्व है। तुम्हारा सपना सच होते हुए देखना बहुत ही खास फीलिंग है। तुम हमेशा ऐसे ही चमकती रहो, मेरी सुपरस्टारठ। इसके अलावा पिता महेश बाबू ने भी अपनी खुशी व्यक्त करते हुए बेटी की तस्वीर शेयर की थी। आपको बता दें कि महेश बाबू से पहले अल्लू अर्जुन की बेटी भी सामंथा की फिल्म 'शाकुंतलम' के साथ अपने फिल्मी करियर की शुरुआत कर चुकी हैं।

दबंग 3 के बाद लंबे समय तक बॉलीवुड फिल्मों में क्यों नजर नहीं आईं सई मांजरेकर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली।सलमान की फिल्म 'दबंग

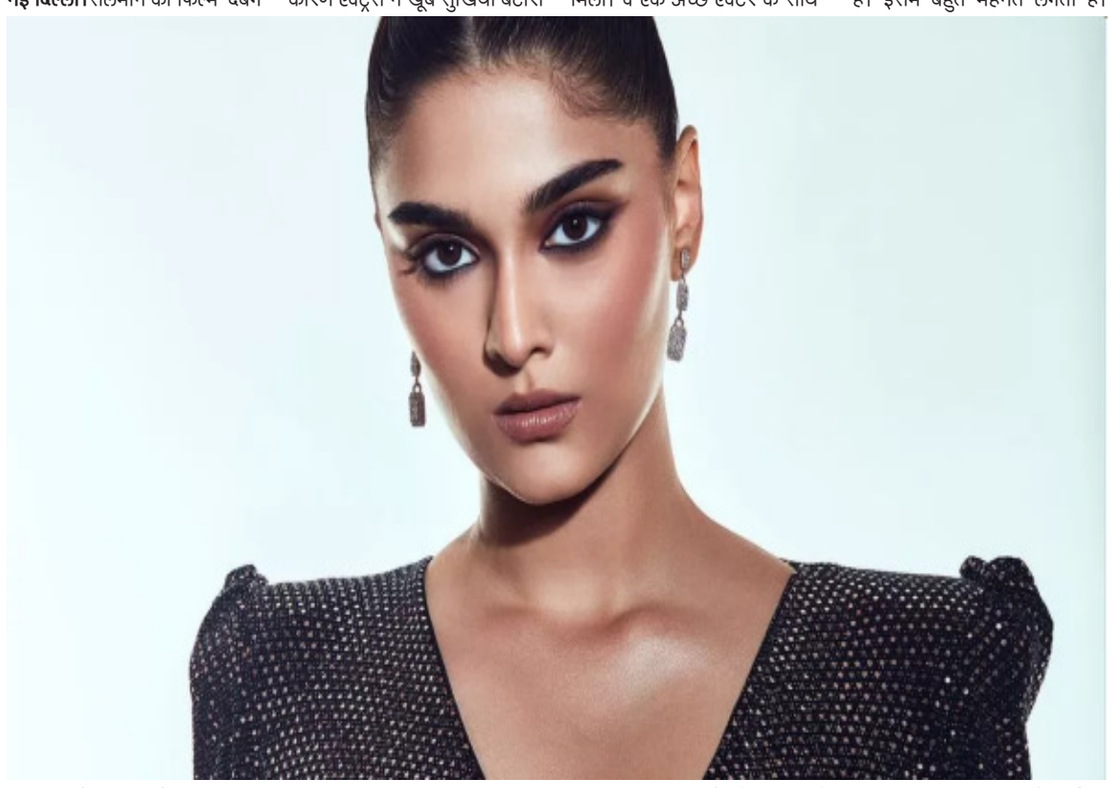

3' से बॉलीवुड में एंट्री करने वालीं एक्ट्रेस सई मांजरेकर एक बड़े अंतराल के बाद बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। सई इस बार अपनी नई फिल्म 'कुछ खट्टा हो जाए' के साथ फैन्स को एंटरटेनमेंट का डोज देने आ रही हैं। इसमें से मशहूर गायक गुरु रंधावा के साथ नजर आएंगी।महेश मांजरेकर की बेटी सई मांजरेकर ने सलमान खान की फेमस फ्रेंचाइजी दबंग 3 से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने मेजर के साथ साउथ का रुख किया। अब एक लंबे समय के बाद वह फिर से गुरु रंधावा के अपोजिट हिंदी फिल्म में नजर आने वाली हैं। हाल ही में जागरण डिजिटल से बात करते हुए उन्होंने बॉलीवुड से दूरी की वजह बताई। सई ने दबंग के बाद साउथ की फिल्में भी की। बीते साल रिलीज हुई फिल्म 'मेजर' के कारण एक्ट्रेस ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। सई मांजरेकर ने जागरण डिजिटल के साथ एक्सलूसिव बातचीत करते हुए अपने पूर्व एक्सपीरियंस और आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया। जवाबः यह काफी खूबसूरती से बुनी गई कहानी है। यह एक पारिवारिक फिल्म है, जिसमें कॉमेडी, ड्रामा और लव स्टोरी है।दरअसल, मैं 'हम साथ-साथ हैं' और 'हम आपके हैं कौन' जैसी फैमिली ड्रामा वाली फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं। पहली मीटिंग में ही हमने फिल्म की तारीख डिसाइड कर ली थीं। सवालः गुरु रंधावा के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा जवाबः रंधावा के साथ काम करना मजेदार रहा। हमने सेट पर एक-दूसरे के साथ सबसे अच्छा समय बिताया है। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मुझे गुरु रंधावा के रूप में एक अच्छा दोस्त मिला। वे एक अच्छे एक्टर के साथ-साथ नेक इंसान भी हैं।जवाबः मैं अलग-अलग तरह का सिनेमा करना चाहती हूं। एक ही चीज में बंधकर काम करना मुझे अच्छा नहीं लगता। जब मेरे पास 'मेजर' फिल्म का ऑफर आया, उस दौरान बॉलीवुड की कई फिल्मों के लिए मुझे अप्रोच किया गया। लेकिन एक एक्ट्रेस के तौर पर लगा कि मुझे 'मेजर' करनी चाहिए। जवाबः उनके साथ काम करने का अनुभव बहुत प्यारा था। आदिवि शेष ऐसे शख्स हैं, जिन्हें मैं जिंदगी भर याद रखूंगी। उन्होंने मुझे 'मेजर' में ईशा का रोल दिया, जो मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण था। वो जिस तरह से सेट पर मुझे हर रोज गाइड करते थे, मैं ये बात कभी नहीं भूल सकती। जवाबः मुझे सारा अली खान के इंटरव्यू काफी पसंद हैं। वे जिस तरह से बोलती हैं, जवाबः नहीं, ऐसा नहीं है। लेकिन कई बार ऐसा होता है जब आप बोलते कुछ हैं और उसे कुछ और समझ लिया जाता है। मैं ऐसी बातें कहने से बचती हूं, जिन्हें किसी ओर कॉन्टेक्स्ट में लिया जाता है। ऐसा करने पर दिमाग पर भी बोझ पड़ता है। जवाबः मैं चीजों को काफी जल्दी एडेप्ट कर लेती हूं। मैंने शेष के साथ काम किया। वे मजाक के समय पर मजाक करते हैं, लेकिन सेट पर सीरियस होकर काम करते हैं। मैं उनके साथ गंभीर और इंटलेक्चुअल बातें करती थीं।जबकि गुरु रंधावा के साथ काम किया, तब मैं उनके जैसी बन गई। वे काफी सहज हैं। मेरा एडेप्टिव नेचर फिल्मों में काम करने के दौरान भी काम आता है। मैं आसानी से किरदार कैप्चर कर लेती हूं।

ट्रेंड में आयीं 2018 की ये फिल्में, टॉप 10 में नई संग पुरानी 'लस्ट स्टोरीज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ओटीटी के आने से ना सिर्फ एक्टर्स को, बल्कि दर्शकों को भी सहूलियत मिली है। कम पैसे में घर बैठे भरपूर मनोरंजन उठा सकते

हैं। खासकर, कोरोना पैनडेमिक के बाद लोग ओटीटी पर शिफ्ट हुए। कुछ तो ऐसे शिफ्ट हुए कि फिर थिएटर जाने की आदत ही छूट गयी। बहरहाल, ओटीटी पर कंटेंट चुनना भी एक चुनौती है। इस लेख में नेटफ्लिक्स की वो फिल्में, जो शुक्रवार को रहीं टॉप-10 में। सुधीर मिश्रा निर्देशित अफवाह अभी भी देश में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्मों में शामिल है। लस्ट स्टोरीज सीजन-2 में चार कहानियों को जगह दी गई है। इन्हें आर बाल्की, कोंकणा सेन शर्मा, सुजॉय घोष और अमित शर्मा ने डायरेक्ट किया है। सीरीज में तमन्ना भाटिया और विजय शर्मा की ऑन स्क्रीन केमेस्ट्री भी देखने को मिलेगी। इसके अलावा तिलोत?तमा शोम, नीना गुप्ता, मृणाल ठाकुर, कुमुद मिश्रा और काजोल भी अलग-अलग कहानियों में मुख्य भूमिका निभाते हुए दिखेंगे। यह हॉरर फिल्म है, जो वेटिकन के चीफ एक्सोरसिस्ट फादर गेब्रियल अमोर्थ की असल फाइलों पर आधारित है। फिल्म में अमोर्थ एक छोटे बच्चे का एक्सोरसिज्म करता हैं, जिसे बुरी ताकतों ने वश में कर लिया है। इस फिल्म में रसल क्रो एक्सोरसिस्ट के रोल में हैं। यह अमेरिकन एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें पियर्स ब्रोसनन, नीना डोबरेव, एडम डिवाइन और एलेन बारकिन ने मुख्य किरदार निभाये हैं। एक बैंक मैनेजर का बैंक उसकी शादी से कुछ दिन पहले लूट लिया जाता है। मैनेजर को शक है कि इसमें उसके ससुराल वालों का हाथ है। सुधीर मिश्रा की फिल्म 'अफवाह' की कहानी एक युवा नेता विक्की के स्वार्थ पर टिकी है, जो अपना पॉलिटिकल करियर चमकाने के लिए अपने इलाके में लव-जिहाद का झूठ परोसता है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी, भूमि पेडनेकर और सुमित व्यास हैं। क्रिटिक्स ने भी इसे काफी सराहा था।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।